■ कार्तिक कृष्ण - 6 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 21 ■ अंक - 79 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » रविवार » 12-10-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 घरेलू हालात में भारत की चुनौती काफी कठिन : हीली

6 सूबेदार संजीव सिंह जसरोटिया: एलओसी पर चक्रव्यूह रचकर किया खूंखार आतंकवादी का खात्मा

7 अपने ही घर में सुरक्षित महसूस नहीं कर रहीं संगीता बिजलानी

फर्स्ट टेक

पंजाब में सीमा पार से हथियार तस्करी मॉड्यूल का भंडाफोड़

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब पुलिस की 'काउंटर-इंटेलिजेंस' शाखा, अमृतसर ने तीन लोगों को गिरफ्तार करने के बाद सीमा पार से हथियारों की तस्करी के एक मॉड्यूल का भंडाफोड़ करने का शनिवार को दावा किया। इसने कहा कि इस मॉड्यूल के तार पाकिस्तान से जुड़े थे। इस संबंध में पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार लोगों के पास से आठ अत्याधुनिक पिस्तौल जब्त की गईं। पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने कहा कि गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान तरनतारन जिले के मरही मेघा गांव निवासी महेश उर्फ आशु मसीह और अंग्रेज सिंह तथा तरनतारन के भिखीविंड निवासी अर्शदीप सिंह के रूप में हुई है। अधिकारी ने बताया कि आरोपियों के कब्जे से तीन 9 एमएम पिस्तौल और पांच .30 बोर पिस्तौल तथा मैगजीन जब्त की गई हैं।

सूडान के अर्धसैनिक बल के हमले में 53 लोगों की मौत : डॉक्टर समूह

काहिरा/एपी। सूडानी अर्धसैनिक बलों द्वारा दारफुर क्षेत्र में एक आश्रय स्थल पर किए गए हमले में 14 बच्चों सहित कम से कम 53 लोग मारे गए। चिकित्सकों के एक समूह ने यह जानकारी दी। यह हमला सूडान में दो वर्ष से अधिक समय से चल रहे युद्ध में ताजा हमला है। 'सूडान डॉक्टर्स नेटवर्क' ने बताया कि शुक्रवार देर रात अल-फशर शहर पर रैपिड सपोर्ट फोर्सेज (आरएसएफ) द्वारा किए गए हमले में कम से कम 14 बच्चे और 15 महिलाओं की जान चली गई। इसने बताया कि हमले में पांच बच्चों और सात महिलाओं सहित 21 लोग घायल भी हुए हैं। ज़्यादातर घायलों को गंभीर चोटें आई हैं।

पुतिन गाजा युद्धविराम समझौते का पूरा समर्थन करते हैं : ट्रंप

वाशिंगटन/भाषा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन गाजा में युद्धविराम समझौते का पूरा समर्थन करते हैं। ट्रंप ने व्हाइट हाउस में पत्रकारों से कहा कि इस शांति समझौते को व्यापक अंतरराष्ट्रीय समर्थन मिला है, जिसमें इस क्षेत्र से सीधे तौर पर जुड़े देशों के साथ-साथ ईरान और रूस जैसी वैश्विक शक्तियाँ भी शामिल हैं। उन्होंने कहा ज़्यादातर देशों ने इन सभी प्रस्तावों को पारित कर दिया है। हर देश इसमें शामिल है। ईरान भी इसमें शामिल हुआ – मुझे यह देखकर बहुत खुशी हुई। मुझे गर्व है कि ईरान ने इसका समर्थन किया।

सूर्यास्त 12-10-2025 6:02 बजे | सूर्योदय 13-10-2025 6:09 बजे

BSE	NSE
82,500.82 (+328.72)	25,285.35 (+103.55)

सोना	चांदी
12,783 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	167,199 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

सवर्ण कौन?

सवर्ण कह रहे जिन्हें आप,
किस कारण से समझाओ तो।
इस वर्णवाद का वर्ग भेद,
कुछ सही सही बतलाओ तो।
कानून मानता उच्च अगर,
धाराएं जरा दिखाओ तो।
जो नहीं दिखे आधार सही,
यह शब्द तुरंत हटाओ तो।।

भारत को आत्मनिर्भर बनाना हमारी राष्ट्रीय प्राथमिकता है : राष्ट्रपति मुर्मू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने युवाओं से राष्ट्र प्रथम की भावना के साथ 'मेड-इन-इंडिया' उत्पादों को बढ़ावा देने में सक्रिय भूमिका निभाने का शनिवार को आह्वान किया और इस बात पर जोर दिया कि देश को आत्मनिर्भर बनाना एक राष्ट्रीय प्राथमिकता है। मुर्मू यहां आश्रम रोड पर महात्मा गांधी द्वारा स्थापित डीम्ड विश्वविद्यालय गुजरात विद्यापीठ के 71वें दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रही थीं।

संकाय सदस्यों और उपाधि प्राप्त करने वाले 713 विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए मुर्मू ने कहा कि महात्मा गांधी ने अक्टूबर 1920 में इस संस्थान की स्थापना से लेकर जनवरी 1948 में अपने निधन तक इसके कुलाधिपति के रूप में कार्य किया। उन्होंने उत्तीर्ण हुए विद्यार्थियों से भारत को एक विकसित देश बनाने और अंतरराष्ट्रीय समुदाय में अग्रणी स्थान हासिल करने में मदद करने का संकल्प लेने का आग्रह किया।

राष्ट्रपति ने कहा, ''भारत को आत्मनिर्भर बनाना हमारी राष्ट्रीय प्राथमिकता है। आप सभी को स्वदेशी अभियान में सक्रिय भूमिका निभानी होगी और 'राष्ट्र प्रथम' की भावना के साथ भारत में निर्मित उत्पादों को बढ़ावा देना होगा।''

मुर्मू ने छात्रों से कहा कि किसी को केवल आजीविका कमाने के उद्देश्य से शिक्षा प्राप्त नहीं करनी चाहिए। उन्होंने कहा, ''शिक्षा एक आजीवन चलने वाली प्रक्रिया है। मुझे उम्मीद है कि आप अपने व्यक्तित्व के विकास, समाज की प्रगति और देशवासियों के कल्याण को ध्यान में रखते हुए ज्ञान प्राप्ति को महत्व देते रहेंगे।''

राष्ट्रपति ने विद्यार्थियों से कहा कि क्योंकि देश और समाज भी उनकी शिक्षा में योगदान देता है, इसलिए वे समाज की सेवा करके इस ऋण को चुका सकते हैं। उन्होंने कहा, ''मुझे विश्वास है कि आप समाज के वंचित वर्गों के लिए काम करेंगे।''

अपने संबोधन में मुर्मू ने गुजरात और वहां के लोगों की उद्यमशीलता की भावना की सराहना की। उन्होंने कहा, ''गुजरात हमेशा से स्वरोजगार के लिए जाना जाता रहा है। गुजरात के उद्यमियों ने न केवल भारत में, बल्कि दुनियाभर में अपनी छाप छोड़ी है। विदेशों में सफल प्रवासी भारतीयों में बड़ी संख्या में गुजराती भी शामिल हैं। मैं आप सभी से आग्रह करता हूं कि आप उसी वैश्विक दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ें जो गुजरात की पहचान रहा है।'' उन्होंने कहा कि गुजरात में स्व-रोजगार और आत्मनिर्भरता को प्रोत्साहित करने की संस्कृति को पूरे देश में फैलाये जाने की जरूरत है। उन्होंने कहा, ''मुझे विश्वास है कि विश्वविद्यालय के सभी छात्र आत्मनिर्भरता की इस संस्कृति के वाहक जरूर बनेंगे।''

इस कार्यक्रम के साथ ही मुर्मू की राज्य की तीन दिवसीय यात्रा संपन्न हो गई है।

सार्वजनिक स्थानों से जाति के नाम हटाने की कार्रवाई जारी : स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने शनिवार को कहा कि उनके नेतृत्व वाली द्रविड़ मॉडल सरकार, सामाजिक न्याय से प्रेरित, आत्म-सम्मान आधारित समाज के पोषण के प्रयासों के तहत, सार्वजनिक स्थानों से जाति के नामों को हटाने एवं उनकी जगह सामान्य नाम रखने के लिए कार्रवाई कर रही है।

स्टालिन ने ग्राम सभाओं को डिजिटल तरीके से संबोधित करते हुए कहा कि किसी अन्य मुख्यमंत्री ने ग्राम सभा की बैठकों में भाग नहीं लिया है। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु के इतिहास में यह पहली बार है जब 10,000 से अधिक ग्राम पंचायतों को जोड़ते हुए वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से ऐसी बैठक आयोजित की गई।

महिला स्वयं सहायता समूह योजना का स्मरण करते हुए उन्होंने कहा कि इस पहल से महिलाओं के विकास और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिला है तथा महिलाओं के लिए 1,000 रुपएप्रति माह की सहायता अगले स्तर की सहायता पहल है।

उन्होंने द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) शासन की अन्य प्रमुख योजनाओं का भी उल्लेख किया, जिनमें बसों में महिलाओं के लिए किराया-मुक्त यात्रा, स्कूल जाने वाले बच्चों के लिए नाश्ता योजना, कॉलेज जाने वाले छात्रों के लिए 1,000 रुपएमासिक सहायता और रोजगार से जुड़े कौशल विकास प्रशिक्षण शामिल हैं। उन्होंने कहा, ''सामाजिक न्याय और समानता को बनाये रखने के लिए हमारी द्रविड़ मॉडल सरकार एक आत्म-सम्मान आधारित समाज का निर्माण कर रही है। इन प्रयासों के तहत, मोहल्लों, सड़कों और गलियों से जाति के नाम हटाने की कार्रवाई की जा रही है और उनकी जगह सामान्य नाम रखे जा रहे हैं।''

उन्होंने जिला प्रशासन को ग्राम पंचायतों द्वारा पारित तीन प्रमुख प्रस्तावों को पूरा करने के लिए प्रमुख योजनाओं का तत्काल क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

चीन सीमा पर चौकन्ना और सावधान रहने की जरूरत : सीडीएस चौहान

■ उत्तराखंड की चीन के साथ 350 किलोमीटर तथा नेपाल के साथ 275 किलोमीटर सीमा लगती है जो राज्य को सुरक्षा के दृष्टिकोण से संवेदनशील और रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण बनाती हैं ।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

देहरादून/भाषा। प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने शनिवार को कहा कि सीमावर्ती होने के कारण उत्तराखंड सामरिक रूप से बहुत संवेदनशील और महत्वपूर्ण राज्य है और चीन सीमा पर चौकन्ना और सावधान रहने की जरूरत है।

यहां पूर्व सैनिकों की एक रैली को संबोधित करते हुए जनरल चौहान ने कहा कि उत्तराखंड की चीन के साथ 350 किलोमीटर तथा नेपाल के साथ 275 किलोमीटर सीमा लगती है जो राज्य को सुरक्षा के दृष्टिकोण से संवेदनशील और रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण बनाती हैं । उन्होंने कहा, उत्तराखंड का चीन के साथ बॉर्डर बहुत शांत है और इसलिए कभी-कभी हम यह भूल जाते हैं कि उत्तराखंड एक सीमावर्ती राज्य है। हमें ध्यान रखना चाहिए कि एलसी (नियंत्रण रेखा) और सीमा को लेकर चीन के साथ हमारे थोड़े मतभेद हैं और कभी-कभी ये उजागर हो जाते हैं, जैसे बाराहोती के इलाके में। इस कारण हम सबको चौकन्ना और सावधान रहना पड़ेगा।

प्रमुख रक्षा अध्यक्ष ने सीमावर्ती इलाकों के लोगों से सीमा की सुरक्षा में सक्रिय भागीदारी की अपील की और कहा कि सीमाओं की निगरानी केवल सेना की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि स्थानीय लोगों की सजगता भी उतनी ही अहम है।

सीमावर्ती इलाकों में रहने वाले लोगों खासतौर से पूर्व सैनिकों को आंखें बताते हुए सीडीएस ने कहा कि यदि वे सतर्क रहेंगे तो सीमाएं और भी मजबूत रहेंगी। उन्होंने इस मौके पर फिल्म आंखें का मशहूर डायलॉग भी सुनाया, उस मुल्क की सरहद को कोई छू नहीं सकता जिस मुल्क की निगहबान हो आंखें।

जनरल चौहान ने यह भी कहा कि जिस तरह सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश और लद्दाख में कोऑपरेटिव सोसायटीज सेना को खाद्य आपूर्ति करती हैं, उसी तर्ज पर अब उत्तराखंड में भी यह व्यवस्था शुरू की जाएगी।

'फर्जी' बैंक गारंटी

रिलायंस पावर का सीएफओ गिरफ्तार

नई दिल्ली/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने उद्योगपति अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस पावर के मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ) को 68 करोड़ रुपएकी कथित फर्जी बैंक गारंटी जारी करने से जुड़े धनशोधन के एक मामले में गिरफ्तार किया है। आधिकारिक सूत्रों ने शनिवार को यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि ईडी ने अशोक पाल से पूछताछ करने के बाद उन्हें धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत शुक्रवार रात हिरासत में ले लिया। रिलायंस पावर ने शेयर बाजार को सूचित किया कि पाल ने तत्काल प्रभाव से कार्यकारी निदेशक और सीएफओ का पद छोड़ दिया है। पाल को शनिवार को मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया गया और दो दिन की ईडी हिरासत में भेज दिया गया। सूत्रों के अनुसार, एजेंसी हिरासत की अवधि समाप्त होने के बाद 13 अक्टूबर को उन्हें विशेष पीएमएलए अदालत में पेश करेगी। यह मामला सूचीबद्ध कंपनी रिलायंस पावर की सहायक कंपनी रिलायंस एनयू बीईएसएस लिमिटेड की ओर से सोलर एनर्जी कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एसईसीआई) को जमा की गई 68.2 करोड़ रुपएकी बैंक गारंटी से संबंधित है, जो ''फर्जी'' पाई गई।

हमें आयात कम करना है और निर्यात बढ़ाना है : मोदी

■ प्रधानमंत्री ने कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों में 42,000 करोड़ रुपए से अधिक की परियोजनाओं और योजनाओं का उद्घाटन, शिलान्यास और लोकार्पण किया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि भारत को कृषि उत्पादन में न केवल आत्म निर्भर बनना है बल्कि वैश्विक बाजार के लिए उत्पादन भी करना है। मोदी ने कहा, 'हमें आयात कम करना है और निर्यात बढ़ाना है।' मोदी ने इस उद्येश्य की प्राप्ति में पीएम धन-धान्य कृषि योजना तथा दलहन आत्मनिर्भरता मिशन की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। वह नई दिल्ली में पूसा स्थित भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आईसीएआर) में आयोजित विशेष कृषि कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस कार्यक्रम में उन्होंने कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों में 42,000 करोड़ रुपएसे अधिक की परियोजनाओं और योजनाओं का उद्घाटन, शिलान्यास और लोकार्पण किया।

इनमें 24,000 करोड़ रुपएके परिव्यय वाली प्रधानमंत्री धन धान्य कृषि योजना और 11,440 करोड़ रुपएका दलहन में आत्मनिर्भरता मिशन दो प्रमुख कार्यक्रम हैं। पीएम धन धान्य योजना का का उद्देश्य 100 जिलों में कृषि का कायाकल्प करना है। इसी तरह दलहन में आत्मनिर्भरता का मिशन दलहन खेती का रकबा बढ़ा कर और खरीद, प्रसंस्करण और वितरण जैसी मूल्य संवर्धन शृंखलाओं को मज़बूत करके पूरा किया जाना है। कार्यक्रम को कृषि मंत्री शिवराज चौहान ने भी संबोधित किया।

प्रधानमंत्री ने कृषि उत्पादन में आत्म निर्भरता और निर्यात बढ़ाने के इन लक्ष्यों की प्राप्ति में पीएम धन-धान्य कृषि योजना तथा दलहन आत्मनिर्भरता मिशन की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि पीएम धन-धान्य योजना के लिए सौ जिलों का चयन तीन कसौटियों पर किया गया है। इसमें एक कसौटी खेती की पैदावार क्या है, दूसरी एक खेत में एक साल में खेती कितनी बार होती है तथा किसानों को कर्ज या निवेश की सुविधा कैसी है। उन्होंने कहा कि दलहन आत्मनिर्भरता मिशन सिर्फ दलहन उत्पादन बढ़ाने का कार्यक्रम नहीं है बल्कि हमारी भावी पीढ़ी को सशक्त बनाने का अभियान भी है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि किसानों की आय बढ़े इसके लिए पशुपालन, मछली पालन , मधुमक्खी पालन पर बल दिया जा रहा है। इससे छोटे किसानों और भूमिहीन परिवारों को ताकत मिली है। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र में महिलाओं की भूमिका और महत्वपूर्ण हो रही है जहां गावों में नमो ड्रोन दीदिया खाद और कीटनाशक छिड़काव के आधुनिक तरीकों का नेतृत्व कर रही हैं।

लोकतंत्र और समानता की भावना का जीवंत उदाहरण है भारत : बिरला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/ब्रिजटाउन/भाषा। लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा है कि भारतीय संविधान पिछले 75 वर्षों से देश के लिए पथ-प्रदर्शन का दीपस्तंभ रहा है और इसके कारण भारत ने दुनिया के समक्ष लोकतंत्र और समानता का एक जीवंत उदाहरण प्रस्तुत किया है। बिरला ने बारबाडोस की राजधानी ब्रिजटाउन में 68वें राष्ट्रमंडल संसदीय सम्मेलन की आम सभा में 'राष्ट्रमंडल – एक वैश्विक भागीदार' विषय पर प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए शनिवार को कहा कि लोकतंत्र भारत की आत्मा है, समानता इसका संकल्प है और न्याय इसकी पहचान है। उन्होंने पीठासीन अधिकारियों को अगले साल जनवरी में भारत में होने वाले राष्ट्रमंडल संसदीय सम्मेलन में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया और कहा कि राष्ट्रमंडल सांसदों के पीठासीन अधिकारी 7 से 9 जनवरी तक होने वाले सीएसपीओसी में भाग लेने के लिए आयें।

लोकसभा अध्यक्ष ने इस बात पर ज़ोर दिया कि जलवायु परिवर्तन, महामारी, खाद्य असुरक्षा और असमानता जैसे वैश्विक संकट सीमाओं से परे हैं और इनके लिए सामूहिक समाधान की आवश्यकता है। श्री बिरला ने इन चुनौतियों से निपटने के लिए सामूहिक प्रयास करने का आग्रह किया और इस बात पर ज़ोर दिया कि समाधान अलग-थलग रहकर नहीं ढूंढे जा सकते।

अमेरिका भारत के साथ अपने संबंधों को बहुत 'महत्व' देता है : नामित अमेरिकी राजदूत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत में अमेरिका के नामित राजदूत सर्जियो गोर ने शनिवार रात प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात के बाद कहा कि अमेरिका भारत के साथ अपने संबंधों को बहुत ''महत्व'' देता है।

वार्ता के दौरान रक्षा, व्यापार और महत्वपूर्ण खनिज के क्षेत्रों में सहयोग पर चर्चा की गयी।

गोर शनिवार की सुबह छह दिवसीय यात्रा पर नई दिल्ली पहुंचे। प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात से पहले गोर ने विदेश मंत्री एस जयशंकर, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजित डोभाल और विदेश सचिव विक्रम मिसरी से मुलाकात कर बातचीत की। मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, भारत में अमेरिका के नामित राजदूत सर्जियो गोर का स्वागत करके खुशी हुई। मुझे विश्वास है कि उनके कार्यकाल में भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी और मजबूत होगी।

प्रधानमंत्री से मुलाकात के बाद गोर ने कहा, ''प्रधानमंत्री मोदी के साथ मेरी बैठक शानदार रही। हमने रक्षा, व्यापार और प्रौद्योगिकी समेत द्विपक्षीय मुद्दों पर चर्चा की।''

इजराइल ने दक्षिणी लेबनान पर हमला किया

बेरूत/एपी। इजराइल ने दक्षिणी लेबनान पर शनिवार तड़के भीषण हवाई हमले किए जिनमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और सात अन्य लोग घायल हो गए। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने यह जानकारी दी। मंत्रालय ने बताया कि इन हमलों के कारण बेरूत को लेबनान के अन्य हिस्सों से जोड़ने वाला राजमार्ग भी कुछ देर के लिए अवरुद्ध हो गया। मसेलेह गांव पर हवाई हमलों में भारी मशीनरी बेचने वाले स्थान को निशाना बनाया गया, जिससे बड़ी संख्या में वाहन नष्ट हो गए। हिजबुल्ला अल-मनार टीवी के अनुसार, सब्जियों से भरा एक वाहन भी हमलों की चपेट में आ गया जिससे एक व्यक्ति की मौत हो गई और अन्य लोग घायल हो गए।

उत्तर कोरिया ने सैन्य परेड में नई अंतरमहाद्वीपीय मिसाइल का प्रदर्शन किया

सियोल/एपी। विदेशी नेताओं की उपस्थिति में आयोजित एक विशाल सैन्य परेड में उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन ने अपनी परमाणु हथियार से सुसज्जित सेना के सबसे शक्तिशाली हथियारों का प्रदर्शन किया, जिसमें एक नई अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल भी शामिल है। उत्तर कोरिया आने वाले दिनों में इस मिसाइल के परीक्षण की तैयारी कर रहा है।

सत्तारूढ़ वर्कर्स पार्टी की स्थापना की 80वीं वर्षगांठ पर शुक्रवार रात प्योंगयांग के मुख्य चौक पर बारिश के बीच परेड शुरू हुई। इस परेड ने किम की बढ़ती कूटनीतिक पकड़ और एक शस्त्रागार बनाने के उनके अथक प्रयास को उजागर किया, जो महाद्वीपीय अमेरिका और एशिया में उनके प्रतिद्वंद्वियों को निशाना बना सकता है। उत्तर कोरिया की सरकारी 'कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी' (केसीएनए) ने बताया कि परेड में अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल ह्वासोंग-20 प्रदर्शित की गई, जिसका परीक्षण होना अभी बाकी है।

सहज स्मृति योग

व्यक्ति के मन में जो आध्यात्मिक प्रश्न उठते हैं उनका इस स्तंभ में समाधान प्रस्तुत करने का काम कर रहे हैं गुरुजी श्री नंदकिशोर तिवारी। व्यक्ति की पृष्ठभूमि चाहे किसी भी मत, सम्प्रदाय, मज़हब से हो, सहज स्मृति योग का सरोकार मनुष्य के मात्र आत्मवान होने से है। इसलिए सहज स्मृति योग का ध्यान केवल जिज्ञासु के समाधान पर रहता है। आप भी अपनी जिज्ञासाएं guruji@darpanfoundation.com पर ईमेल या व्हाटस अप (9902912396) द्वारा भेज सकते हैं।

प्रश्न: गुरुजी, आप जो आध्यात्मिक-दृष्टि, तत्व-दर्शन और जीवन-शैली स्वयं अपने आचरण-व्यवहार व सहज स्मृति योग मार्ग पर चल रहे स्वयंसेवियों के माध्यम से वर्तमान मानव-जीवन में प्रतिष्ठापित कर रहे हैं वह धर्म के प्रति समर्पित मानव समाज और राष्ट्र या देश के प्रति समर्पित स्वयं सेवियों तथा सामान्य मानव-जीवन से किस तरह भिन्न है ?

उत्तर: सामान्य सी दिखती आपकी यह जिज्ञासा अत्यंत गूढ़ है जिसके समाधान का विस्तार अनंत दिख रहा है इसलिए, यहाँ विस्तार के बजाय कम से कम शब्दों में संकेत करने की चेष्टा ही उचित है। देखिए, जिस भिन्नता की बात आप कर रहे हैं वह केवल बाह्य-वैविध्य तक सीमित है इसलिए यथार्थ दृष्टि से देखने पर द्रष्टा के बृहत् मन में तत्वतः कुछ भी भिन्न देने का प्रश्न ही नहीं उठ पाता क्योंकि, केवल तत्व में एकत्व और, केवल एकत्व में ही तत्व होता है। अध्यात्म तत्व ज्ञान से सदैव अभिन्न है अतः वहाँ भिन्नता असंभव है। स्वयंसेवियों के निमित्त या माध्यम से जिसकी प्रतिष्ठा हो रही है उस सनातन गुरु शिष्य परम्परा में किसी भी युग में तत्वतः कोई आदान प्रदान होता ही नहीं है केवल, स्वरूप दर्शन होता है। वर्तमान युग में भी यही हो रहा है क्योंकि, सनातनी दृष्टि में नित्य वर्तमान दर्शन ही यथार्थ दर्शन है जिसमें प्रतिष्ठित धीमान यथार्थ द्रष्टा ऋषि -ऋषिकाओं को भूत और भविष्य क्रीड़ार्थ प्रकट की कल्पनाएं स्पष्ट दिखने लगतीं हैं ऐसी मुक्त दृष्टि सभी मनुष्यों के लिए उपयोगी है। यथार्थ दृष्टि से उद्भूत विवेकपूर्ण आचरण और व्यवहार ही मानव मात्र की सभी समस्याओं का समाधान है और किसी भी कमी या आवश्यकता की आपूर्ति में पूर्णतः समर्थ है।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने 11 कोरोना योद्धाओं के परिवारों को एक-एक करोड़ रुपए की अनुग्रह राशि दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को 11 कोरोना योद्धाओं के परिवारों को एक-एक करोड़ रुपए की अनुग्रह राशि प्रदान की।

गुप्ता ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि कोविड-19 महामारी के दौरान जब सब कुछ रुक गया था, तब दिल्ली के अग्रिम पंक्ति के कार्यकर्ता अपने कर्तव्यों के प्रति समर्पित रहे और अपनी जान जोखिम में डालकर काम करते रहे। उन्होंने लिखा, ''सेवा और समर्पण की इसी भावना ने हजारों लोगों की जान बचाई। दिल्ली सरकार उन कर्मयोगियों के परिवारों के साथ खड़ी है जिन्होंने अपनी ज़िम्मेदारियों का निर्वहन करते हुए कर्तव्य के लिए अपने प्राणों की आहुति दे दी।''

जान गंवाने वाले कोरोना योद्धाओं के परिवार के सदस्यों को अनुग्रह राशि के चेक सौंपते हुए गुप्ता ने उनके साथ बातचीत में उन्हें भविष्य में दिल्ली सरकार की ओर से मदद का आश्वासन दिया।

एक अक्टूबर को, भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार ने घोषणा की थी कि वह कोविड-19 महामारी के दौरान अपनी ड्यूटी निभाते हुए जान गंवाने वाले कर्मचारियों के परिवारों के लिए एक-एक करोड़ रुपए की अनुग्रह राशि जारी करेगी।

जून में दिल्ली के कैबिनेट मंत्री आशीष सूद, कपिल मिश्रा और पंकज कुमार सिंह का एक समूह गठित किया गया था ताकि राशि वितरण प्रक्रिया में तेज़ी लाई जा सके।

प्रधानमंत्री मोदी ने क्वालकॉम के सीईओ से मुलाकात की, एआई और नवाचार पर की चर्चा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अमेरिका की चिप विनिर्माता कंपनी क्वालकॉम के अध्यक्ष और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) क्रिस्टियानो आर. अमोन से मुलाकात की और कृत्रिम मेधा (एआई) और नवाचार में भारत की प्रगति पर चर्चा की।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''क्रिस्टियानो आर. अमोन के साथ यह एक बेहतरीन बैठक थी। इसमें एआई, नवाचार और कौशल विकास में भारत की प्रगति पर चर्चा हुई।'' उन्होंने कहा, ''भारत के सेमीकंडक्टर और एआई मिशनों के प्रति क्वालकॉम की प्रतिबद्धता देखकर बहुत अच्छा लगा। भारत ऐसी प्रौद्योगिकियों के निर्माण के लिए बेजोड़ प्रतिभा और व्यापकता प्रदान करता है, जो हमारे सामूहिक भविष्य को आकार देंगी।''

अमोन ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री से उनके सरकारी आवास पर मुलाकात की। उन्होंने शुक्रवार को 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''भारत एआई और भारत सेमीकंडक्टर मिशनों के समर्थन में क्वालकॉम और भारत के बीच व्यापक साझेदारी को बढ़ावा देने के साथ-साथ 6जी में बदलाव पर शानदार बातचीत के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को धन्यवाद।''

अमोन ने कहा, ''हम एआई स्मार्टफोन, पीसी, स्मार्ट ग्लास, वाहन, औद्योगिक और अन्य क्षेत्रों में भारतीय पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने के अवसरों से उत्साहित हैं।''

किसानों के मुद्दे पर घड़ियाली आंसू बहा रहे उद्धव ठाकरे : शिंदे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ठाणे/भाषा। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने शनिवार को शिवसेना (उबाठा) प्रमुख उद्धव ठाकरे पर निशाना साधते हुए कहा कि छत्रपति संभाजीनगर में रैली करने का उनका मकसद घड़ियाली आंसू दिखाना किसानों के दर्द का राजनीतिक लाभ उठाना है। ठाकरे ने छत्रपति संभाजीनगर में एक रैली को संबोधित करते हुए चेतावनी दी है कि यदि राज्य सरकार बाढ़ और वर्षा से प्रभावित किसानों के लिए पूर्ण कर्जमाफी की घोषणा नहीं करती, तो किसान सड़कों पर उतरेंगे।

एक कार्यक्रम के दौरान मीडिया से बात करते हुए शिंदे ने पूर्व मुख्यमंत्री पर तंज कसते हुए कहा कि जो लोग कभी अपने घर की चौखट पार नहीं कर पाए, वे अब किसानों के लिए मोर्चा निकाल रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने 31,628 करोड़ रुपए के राहत पैकेज की घोषणा की है, जिसमें दीपावली से पहले 10,000 की तात्कालिक सहायता किसानों के खातों में जमा की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि जिन किसानों को फसल नुकसान हुआ है, उन्हें प्रति हेक्टेयर 48,000 रुपए और मनरेगा के तहत प्रति हेक्टेयर 3.47 लाख रुपए तक की सहायता दी जाएगी। उन्होंने छत्रपति संभाजीनगर में ठाकरे की रैली को घड़ियाली आंसू दिखाने का मौका करार दिया और कहा कि ठाकरे किसानों के दर्द का राजनीतिक लाभ उठा रहे हैं।

मजबूत घरेलू मांग, आर्थिक नीतियों के कारण भारत बाहरी आर्थिक झटकों से निपटने में सक्षम: दास

पुणे/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रधान सचिव-2 शक्तिकांत दास ने कहा कि भारत मजबूत घरेलू मांग और सतर्क व्यापक आर्थिक तथा वित्तीय नीतियों के दम पर वैश्विक जीडीपी वृद्धि में लगभग पांचवें हिस्से का योगदान करने को तैयार है। उन्होंने कहा कि इन नीतियों की वजह से भारत ने बाहरी आर्थिक संकटों का सफलतापूर्वक सामना किया है। उन्होंने शनिवार को यहां एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए इस बात पर जोर दिया कि अमेरिका और अन्य देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौता वार्ता में भारत की अंतर्निहित प्राथमिकता भारतीय लोगों के सर्वोत्तम हित में निष्पक्ष और संतुलित समझौते सुनिश्चित करना है। दास ने कहा, ''अनिश्चित वैश्विक परिवेश के बीच भारत उल्लेखनीय गतिशीलता और लचीलापन प्रदर्शित कर रहा है।''

दास ने पुणे स्थित गोखले इंस्टीट्यूट ऑफ पॉलिटिक्स एंड इकोनॉमिक्स के दीक्षांत समारोह के दौरान 'बदलती वैश्विक व्यवस्था में भारतीय अर्थव्यवस्था' विषय पर 85वें काले स्मारक व्याख्यान के दौरान यह बात कही। दास ने कहा कि वैश्विक अर्थव्यवस्था अभूतपूर्व अनिश्चितता और बुनियादी बदलाव के दौर से गुजर रही है। उन्होंने कहा कि आठ दशकों से अधिक समय से वैश्वीकरण और मुक्त व्यापार को बढ़ावा देने वाला नियम-आधारित व्यापार ढांचा चुनौती का सामना कर रहा है। दास ने कहा कि वैश्विक व्यापार के संदर्भ में पहले यह माना जाता था कि दुनिया समतल है और इसे एक बाजार बनाना चाहिए, लेकिन अब यह स्थिति बदल चुकी है। उन्होंने कहा, ''हालात बुनियादी रूप से बदल गए हैं। वैश्विक अर्थव्यवस्था और व्यापार व्यवस्था काफी हद तक खंडित हो चुकी है। स्थापित नियमों पर लगातार सवाल उठ रहे हैं, जबकि नए मानदंड अभी तक दृढ़ता से स्थापित नहीं हुए हैं।

कफ सिरप मौत मामला : कोल्ड्रिफ विनिर्माता के खिलाफ जांच में टीएनएफडीए की ओर से चूक सामने आई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। मध्यप्रदेश में बच्चों की मौत के मामले में कोल्ड्रिफ कफ सिरप के कांचीपुरम स्थित विनिर्माता के खिलाफ की गई जांच में तमिलनाडु खाद्य एवं औषधि विभाग (टीएनएफडीए) द्वारा बुनियादी नियामक मानदंडों को लागू करने में चूक सामने आई है। केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) सूत्रों ने यह जानकारी दी।

सूत्रों ने बताया कि तमिलनाडु खाद्य एवं औषधि प्रशासन (टीएनएफडीए) द्वारा 2011 में लाइसेंस प्राप्त श्रीसन फार्मा ने अपने खराब बुनियादी ढांचे और राष्ट्रीय औषधि सुरक्षा नियमों के कई उल्लंघनों के बावजूद एक दशक से अधिक समय तक बिना किसी रोक-टोक के संचालन जारी रखा। सीडीएससीओ द्वारा हाल ही में की गई एक जांच में इकाई की भयावह स्थिति और वस्तु विनिर्माण प्रक्रिया (जीएमपी) का पूरी तरह गैर अनुपालन उजागर हुआ।

एक सूत्र ने कहा, सीडीएससीओ श्रीसन फार्मा में किसी भी ऑडिट में शामिल नहीं रहा है। चूंकि सीडीएससीओ शामिल नहीं था और राज्य एफडीए (खाद्य एवं औषधि प्रशासन) ने सीडीएससीओ को इस कंपनी के बारे में किसी भी तरह से सूचित नहीं किया, लिहाजा यह कंपनी सीडीएससीओ के किसी भी डेटाबेस का हिस्सा नहीं थी।

टीएनएफडीए के अधिकारियों से इस मामले पर प्रतिक्रिया नहीं मिली।

राष्ट्रपति मुर्मू ने द्वारकाधीश मंदिर में पूजा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

द्वारका (गुजरात)/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शनिवार को गुजरात के द्वारका शहर में प्रसिद्ध द्वारकाधीश मंदिर में पूजा-अर्चना की। गुजरात यात्रा के तीसरे और अंतिम दिन, मुर्मू जूनागढ़ से द्वारकाधीश मंदिर गईं। उनके साथ उनकी बेटी इतिश्री मुर्मू और अन्य गणमान्य व्यक्ति भी थे। विज्ञप्ति में कहा गया है कि राष्ट्रपति ने भारत के लोगों की खुशी, शांति और समृद्धि के लिए भगवान द्वारकाधीश से प्रार्थना की। शाम को मुर्मू अहमदाबाद में गुजरात विद्यापीठ के 71वें दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता करेंगी। इससे पहले शुक्रवार को मुर्मू ने जूनागढ़ के गिर राष्ट्रीय उद्यान में शेर सफारी का लुत्फ उठाया और सासन में सिद्दी आदिवासी समुदाय के साथ बातचीत भी की।

महिला पत्रकारों का अपमान अस्वीकार्य, प्रधानमंत्री रुख स्पष्ट करें: विपक्ष

नई दिल्ली/भाषा। विपक्षी दलों ने शनिवार को आरोप लगाया कि अफगानिस्तान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्तकी के संवाददाता सम्मेलन में महिला पत्रकारों को शामिल होने की अनुमति नहीं दिया जाना हर भारतीय महिला का अपमान है जिसे स्वीकार नहीं किया जा सकता।

विपक्षी दलों ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को इस मामले पर अपना रुख स्पष्ट करना चाहिए। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने दावा किया कि नारी शक्ति पर प्रधानमंत्री मोदी के नारों का खोखलापन बेनकाब हो चुका है। अफगानिस्तान के विदेश मंत्री इन दिनों भारत के दौरे पर हैं। उन्होंने विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ वार्ता की थी। बाद में उन्होंने अलग से संवाददाता सम्मेलन को भी संबोधित किया था, जिसमें महिला पत्रकारों को शामिल होने की कथित तौर पर अनुमति नहीं थी। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने पोस्ट किया, मोदी जी, जब आप महिला पत्रकारों को एक सार्वजनिक मंच से बाहर किए जाने की अनुमति देते हैं, तो आप भारत की हर महिला को बता रहे हैं कि आप इतने कमजोर हैं कि उनके लिए खड़े नहीं हो सकते। उन्होंने कहा, हमारे देश में महिलाओं को हर क्षेत्र में समान भागीदारी का अधिकार है। ऐसे भेदभाव के सामने आपकी चुप्पी नारी शक्ति पर आपके नारों के खोखलेपन को उजागर करती है। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, कृपया भारत दौरे पर तालिबान के प्रतिनिधि के संवाददाता सम्मेलन से महिला पत्रकारों को दूर रखे जाने पर अपना रुख स्पष्ट करें। प्रियंका गांधी ने कहा, ''यदि महिलाओं के अधिकारों की आपकी स्वीकृति केवल चुनावों के बीच का दिखावा नहीं है, तो हमारे देश में जो अपनी महिलाओं को अपनी रीढ़ और गर्व मानता है, इस अपमान को कैसे स्वीकार किया गया?''

हुक्मरानों का पूर्वाग्रह बड़े अधिकारी को भी सामाजिक न्याय की कसौटी से वंचित रखता है : सोनिया

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी ने कथित तौर पर आत्महत्या करने वाले आईपीएस अधिकारी वाई. पूरण कुमार की पत्नी को शोक संदेश भेजकर दुख जताया और कहा कि आज भी हुक्मरानों का पूर्वाग्रह से ग्रस्त पक्षपातपूर्ण रवैया बड़े से बड़े अधिकारी को भी सामाजिक न्याय की कसौटी से वंचित रखता है।

भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के अधिकारी पूरण कुमार ने बीते मंगलवार को चंडीगढ़ स्थित अपने आवास पर कथित तौर पर खुद को गोली मार ली थी और उन्होंने एक 'सुसाइड नोट' छोड़ा था। गांधी ने कुमार की पत्नी अमनीत पी. कुमार को 10 अक्टूबर को भेजे पत्र में लिखा, आपके पति व वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी श्री वाई. पूरण कुमार के देहांत की खबर स्तब्ध करने वाली भी है और मन को व्यथित करने वाली भी। अपार मुश्किल की इस घड़ी में मेरी ओर से आपके अलावा पूरे परिवार के प्रति गहरी संवेदनाएं।

सुक्खू ने 'तंबाकू मुक्त युवा' अभियान की शुरुआत की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिमला/भाषा। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने स्वास्थ्य मंत्री डॉ. (कर्नल) धनी राम शांडिल के साथ शनिवार को 26 नई उन्नत जीवन रक्षक एम्बुलेंस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। नये एम्बुलेंस को राष्ट्रीय एम्बुलेंस सेवा-108 (एनएसए) के बेड़े में शामिल कर लिया गया है।

सुक्खू ने सरकारी आवास से 60 दिवसीय तंबाकू मुक्त युवा अभियान का भी शुभारंभ किया। ये एम्बुलेंस 19 जीवन रक्षक स्वास्थ्य उपकरणों से सुसज्जित हैं, जिनमें परिवहन वेंटिलेटर, ईसीजी मशीन, आपातकालीन एम्बुलेंस बैग, ऑक्सीजन सिलेंडर और रक्तचाप निगरानी मशीन शामिल हैं। इन एम्बुलेंस पर आपातकालीन चिकित्सा देखभाल के लिए चिकित्सा तकनीशियन 24 घंटे उपलब्ध रहेंगे। एम्बुलेंस सभी सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पतालों, जिला अस्पतालों, सिविल अस्पतालों और अन्य दूरस्थ स्थानों पर आपात स्थिति के दौरान मरीजों के लिए तैनात की जा रही हैं। सुक्खू ने कहा कि सरकार स्वास्थ्य क्षेत्र को मजबूत करने के लिए निरंतर प्रयासरत है और स्वास्थ्य संस्थानों में विश्वस्तरीय बुनियादी ढाँचा तैयार किया जा रहा है। उन्होंने कहा, ''ये नई उन्नत जीवन रक्षक एम्बुलेंस निश्चित रूप से स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार लाएंगी।''

उन्नत जीवन रक्षक एम्बुलेंस को हरी झंडी दिखायी

स्ट्रीमिंग मंचों का भारतीय पटकथा लेखकों के प्रति पूर्वाग्रह 'आधुनिक उपनिवेशवाद': अंजुम

मुंबई/भाषा। पटकथा लेखक अंजुम रजबअली ने अंतरराष्ट्रीय लेखकों की तुलना में उनके भारतीय समकक्षों के साथ अनुचित व्यवहार करने को लेकर वैश्विक स्ट्रीमिंग प्लेटफार्म की आलोचना की और इस पूर्वाग्रह को ''आधुनिक उपनिवेशवाद'' करार दिया। रजबअली 'गुलाम', 'पुकार', 'द लीजेंड ऑफ भगत सिंह' और 'राजनीति' जैसी फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। वह 'इंटरनेशनल एफिलिएशन ऑफ राइटर्स गिल्ड्स' की वार्षिक आम बैठक के दौरान एक विशेष पैनल चर्चा को संबोधित कर रहे थे। इसका आयोजन 'स्क्रीनराइटर्स एसोसिएशन' (एसडब्ल्यूए) द्वारा पहली बार भारत में किया गया था। तीन दिवसीय वैश्विक सम्मेलन में यूरोप, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, लैटिन अमेरिका, अफ्रीका और एशिया के 15 गिल्ड के प्रतिनिधियों ने दुनिया भर के लेखकों के समक्ष पेश आने वाले गंभीर मुद्दों पर चर्चा की।

झारखंड: आईईडी विस्फोट में सीआरपीएफ जवान की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। झारखंड में नक्सल विरोधी अभियान के दौरान आईईडी विस्फोट में घायल हुए सीआरपीएफ के एक जवान की मौत हो गई। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि अर्धसैनिक बल ने शुक्रवार को पश्चिमी सिंहभूम जिले में जराइकेला थाना क्षेत्र के नक्सल हिंसा प्रभावित बाबूडेरा-समता क्षेत्र में यह अभियान चलाया। उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान आईईडी की चपेट में आने से हेड कांस्टेबल महेंद्र लस्कर (45) घायल हो गए। अधिकारी ने बताया लस्कर को राउरकेला के एक अस्पताल ले जाया गया, जहां शनिवार तड़के उनकी मौत हो गई। लस्कर असम के रहने वाले थे और सीआरपीएफ की 60वीं बटालियन से जुड़े थे।

प्रधान न्यायाधीश गवई ने डिजिटल दौर में लड़कियों की असुरक्षा पर चिंता जताई

नई दिल्ली/भाषा। भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) बी.आर. गवई ने शनिवार को ऑनलाइन उत्पीड़न, साइबर धमकी और 'डिजिटल स्टॉकिंग' के साथ-साथ व्यक्तिगत डेटा और डीपफेक तस्वीरों के कारण लड़कियों के विशेष रूप से संवेदनशील स्थिति में होने को लेकर चिंता जाहिर की। उन्होंने इस संदर्भ में विशेष कानून बनाए जाने और कानून प्रवर्तन एजेंसियों व नीति निर्धारकों को विशेष प्रशिक्षण देने की आवश्यकता पर जोर दिया।

'डिजिटल स्टॉकिंग' इंटरनेट और अन्य इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों का उपयोग करके किसी व्यक्ति को परेशान करना, धमकाना या उसका पीछा करने को कहते हैं। प्रधान न्यायाधीश ने यूनिसेफ, भारत के सहयोग से उच्चतम न्यायालय की किशोर न्याय समिति (जेजेसी) के तत्वावधान में आयोजित बालिकाओं की सुरक्षा: भारत में उनके लिए सुरक्षित और सक्षम वातावरण की ओर विषय पर राष्ट्रीय वार्षिक हितधारक परामर्श में अपनी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि संवैधानिक और कानूनी संरक्षण के बावजूद देश भर में अनेक बालिकाओं को अब भी उनके मौलिक अधिकारों और यहां तक कि जीवन-निर्वाह के बुनियादी साधनों से भी वंचित रहना पड़ रहा है। यह असुरक्षा उन्हें यौन शोषण, उत्पीड़न और हानिकारक प्रथाओं तथा अन्य गंभीर जोखिमों के प्रति अत्यधिक संवेदनशील बना देती है। प्रधान न्यायाधीश ने कहा, ''बालिकाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करना केवल उसके शरीर की रक्षा करना नहीं है, बल्कि उसकी आत्मा को मुक्त करना है। एक ऐसा समाज बनाना जहां वह सम्मान के साथ अपना सिर ऊंचा रख सके और जहां उसकी आकांक्षाएं शिक्षा और समानता से पोषित हों... हमें उन गहरी जड़ें जमाए हुए पितृसत्तात्मक रीति-रिवाजों का सामना करना होगा और उन पर विजय प्राप्त करनी होगी जो लड़कियों को उनके उचित स्थान से वंचित करते हैं।'' रवींद्रनाथ टैगोर की कविता ''व्हेयर द माइंड इज विदाउट फियर'' को याद करते हुए न्यायमूर्ति गवई ने कहा कि इसमें बालिकाओं की सुरक्षा के लिए जो कुछ हासिल करने का प्रयास किया जा रहा है, उसका सार समाहित है।

इतिहास की किताबों में 'भ्रामक, मनगढ़ंत आख्यानों' को सुधारने की जरूरत : सिन्हा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने लेखकों से इतिहास की किताबों में दिए गए भ्रामक एवं मनगढ़ंत आख्यानों को ठीक करने और इनकी जगह सटीक तथा तथ्यात्मक रूप से सही विवरण उपलब्ध कराने का शनिवार को आह्वान किया।

श्रीकुला फाउंडेशन की ओर से शेर-ए-कश्मीर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन केंद्र (एसकेआईसीसी) में आयोजित 'कश्मीर साहित्य महोत्सव' के उद्घाटन समारोह में सिन्हा ने कहा, लेखकों को शोध करना चाहिए और उसमें मिले महत्वपूर्ण प्रमाण का इस्तेमाल भ्रामक ऐतिहासिक विवरणों को चुनौती देने तथा उन्हें सही करने के लिए करना चाहिए।

उन्होंने जम्मू-कश्मीर के संबंध में गलत सूचनाओं की पहचान करके और सत्यापित तथ्यों के साथ उनका जवाब देकर भ्रामक आख्यान को सही करने का आह्वान किया। सिन्हा ने कहा कि औपनिवेशिक काल के दौरान और आजादी के बाद लेखकों के एक समूह ने अपने वैचारिक एजेंडे को आकार देने के लिए हमारे इतिहास को विकृत किया। उन्होंने कहा, आज युवा इतिहासकारों को उन झूठ को चुनौती देते हुए सटीक और तथ्यात्मक रूप से सही विवरण पेश करना होगा।

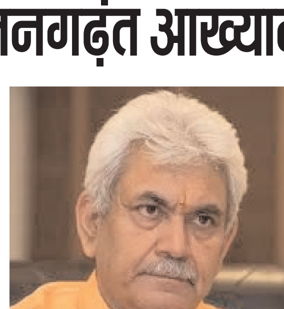

पिछले कुछ वर्षों में नये लेखकों ने भारत के इतिहास के साथ हुए अन्याय को दूर करने का प्रयास किया है, जो एक उत्कृष्ट पहल है। भारतीय साहित्य को दुनिया तक पहुंचाने के प्रयास भी किए जा रहे हैं, जो बेहद सराहनीय है। सिन्हा ने कहा, जम्मू-कश्मीर में दशकों तक तोड़-मरोड़कर पेश किए गए एक आख्यान का प्रसार किया गया। लेखक और मीडियाकर्मी दबे स्वर में स्वीकार करते हैं कि आतंकवादियों और उनके नेटवर्क के डर से वे घाटी में सीमा पार से फैलाई जा रहे गलत आख्यान को बढ़ावा देने के लिए मजबूर हुए।

उपराज्यपाल ने कहा कि आतंकवादी पारिस्थितिकी तंत्र को ध्वस्त कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि जम्मू-कश्मीर की सच्ची कहानी को सभी पूर्वाग्रहों और बंदूक के डर से मुक्त होकर पेश किया जाए, ताकि विश्वास को मजबूत किया जा सके और सामाजिक-आर्थिक विकास में तेजी लाई जा सके।

मुझे कोई जल्दी नहीं, मैं जानता हूं कि मेरी नियति क्या है : डीके शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने राज्य में साल के अंत में मुख्यमंत्री पद पर संभावित बदलाव से जुड़ी खबरों पर नाराजगी जताते हुए शनिवार को कहा कि वह किसी जल्दबाजी में नहीं हैं और उन्हें पता है कि उनकी नियति क्या है। शिवकुमार ने कुछ मीडिया चैनल पर तथ्यों को तोड़-मरोड़कर पेश करने और यह दावा कर सनसनी फैलाने एवं राजनीति करने का आरोप लगाया कि उन्होंने (शिवकुमार ने) बेंगलूरु के लाल बाग में लोगों से बातचीत के दौरान कहा था कि उनके मुख्यमंत्री बनने का समय नजदीक आ रहा है।

कर्नाटक में नवंबर में जब कांग्रेस सरकार अपने पांच साल के कार्यकाल के आधे पड़ाव पर पहुंच जाएगी, तो राज्य में सत्ता परिवर्तन और मंत्रिमंडल फेरबदल की अटकलें लगाई जा रही हैं, जिसे कुछ लोग नवंबर क्रांति की संज्ञा दे रहे हैं। हालांकि, मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने पद में बदलाव की अटकलों को खारिज किया है और कहा है कि वह पांच साल का कार्यकाल पूरा करेंगे।

शिवकुमार ने कहा, कुछ लोगों ने इच्छा जताई है कि मुझे मुख्यमंत्री बनना चाहिए। उन्होंने मुझसे पूछा कि क्या इसका समय नजदीक आ रहा है, बस इतना ही। मीडिया में इसे तोड़-मरोड़कर न पेश करें कि- मैंने कहा कि (मेरे मुख्यमंत्री बनने का) समय नजदीक आ रहा है। कुछ मीडिया चैनल खबर दिखा रहे हैं कि डीके शिवकुमार ने कहा है कि समय नजदीक आ रहा है। मुझे कोई जल्दी नहीं है। उन्होंने लालबाग में लोगों से अपनी बातचीत को लेकर स्पष्ट किया कि वह वहां राजनीति करने नहीं गए थे। शिवकुमार ने कहा, मैं मीडिया से दो टूक कह रहा हूं कि अगर आप झूठी और सनसनीखेज खबरें फैलाएंगे, तो मैं भविष्य में आपका सहयोग नहीं करूंगा। मैं कोई संवाददाता सम्मेलन नहीं करूंगा और न ही आपको फोन करूंगा। मुझे बिना फोन किए राजनीति करना आता है।

उन्होंने पूछा, मीडिया में खबरें चलाकर कौन दावा कर रहा है कि मैंने कहा है कि मेरे मुख्यमंत्री बनने का समय नजदीक आ रहा है? मैंने ऐसा कहां कहा है? क्या मैंने कहीं ऐसा कहा है? जब किसी ने इस बारे में बात की, तो मैं चुप रहा और कोई चर्चा नहीं की। मीडिया से चीजों का राजनीतिकरण करने से बचने का आग्रह करते हुए शिवकुमार ने कहा, हम यहां विकास कर रहे हैं। अगर आप राजनीति करेंगे, तो मैं आपको (मीडिया को) आगे से ऐसे किसी दौरे या संवाद को कवर करने की अनुमति नहीं दूंगा।

उपमुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि उन्होंने ऐसा कोई बयान नहीं दिया था कि उनके मुख्यमंत्री बनने का समय नजदीक आ रहा है। शिवकुमार ने कहा, ऐसा कहने की कोई जरूरत नहीं है। मैं जानता हूं कि मेरी नियति क्या है। उन्होंने कहा, मुझे पता है कि ईश्वर ने अभी मुझे क्या अवसर दिया है और वह आगे मुझे कब क्या अवसर देंगे। मैं अपने राज्य के लोगों की सेवा करना चाहता हूं और बेंगलूरु के लोगों को अच्छा प्रशासन प्रदान करना चाहता हूं। इसी इरादे से मैं सुबह से शाम तक काम कर रहा हूं।

मीडिया पर अच्छी बातों को छोड़कर विवाद पैदा करने का आरोप लगाते हुए शिवकुमार ने कहा, मैं आपसे कह रहा हूं कि अनावश्यक रूप से झूठी बातें न बनाएं। जब मैं यहां बैठकर बोल रहा था, तब भी इसे बड़ी खबर बनाया जा रहा था। उन्होंने कहा, अगर कोई झूठी बातें बना रहा है, अगर कोई चैनल गुमराह करने की कोशिश कर रहा है, तो मुझे आपके (मीडिया) खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर करना होगा। मेरे पास दिमाग है...।

शिवकुमार ने कर्नाटक में मंत्रिमंडल में फेरबदल की अटकलों को खारिज किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने शनिवार को राज्य में मंत्रिमंडल फेरबदल की अटकलों को खारिज करते हुए इसे मीडिया में चल रही एक अफवाह बताया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष शिवकुमार ने कहा कि पार्टी हाईकमान इस पर फैसला करेगा। ऐसी अटकलें लगाई जा रही हैं कि नवंबर में जब कांग्रेस सरकार अपने पांच साल के कार्यकाल की आधी अवधि पूरी कर लेगी तो राज्य में नेतृत्व परिवर्तन और मंत्रिमंडल में फेरबदल हो सकता है, जिसे कुछ लोग नवंबर क्रांति के रूप में संदर्भित कर रहे हैं।

एक सवाल के जवाब में शिवकुमार ने संवाददाताओं को बताया, कोई मंत्रिमंडल फेरबदल नहीं, कुछ नहीं। ये सब मीडिया में चल रही अफवाहें हैं, कुछ लोगों की बातें सुन रहा हूं। बातें मीडिया में हैं। या तो मुझे या मुख्यमंत्री को इस बारे में बोलना होगा। जब हम दोनों ने ही कुछ नहीं कहा, तो इसमें क्या है?

उन्होंने कहा, कुछ लोगों को (मंत्री बनने की) जल्दी है। अगर उनके नाम मीडिया में आ गए, तो वे (नेताओं के) घर-घर जाएंगे। इसकी कोई संभावना नहीं है। सब कुछ आलाकमान तय करेगा। पार्टी सूत्रों के अनुसार, मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या और उनका खेमा फेरबदल पर जोर दे रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा मंत्रिमंडल में फेरबदल किया जाना, जब सरकार अपने कार्यकाल के ढाई साल पूरे करने वाली है, इस संदेश के रूप में देखा जाएगा कि सत्ता की कमान उनके हाथ में है और आगे भी वही नेतृत्व करते रहेंगे। यह कदम शिवकुमार के लिए एक झटका साबित हो सकता है, जो मुख्यमंत्री पद पर दावा करने की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

राज्य के राजनीतिक हलकों में, विशेषकर सत्तारूढ़ कांग्रेस में, इस वर्ष के अंत में मुख्यमंत्री परिवर्तन के बारे में अटकलें लगाई जा रही हैं, जिसमें सिद्धरमैया और शिवकुमार के बीच सत्ता-साझाकरण समझौते का दावा किया जा रहा है।

पिछले कुछ समय से, मंत्री पद के इच्छुक कांग्रेस विधायकों के एक वर्ग की ओर से भी मंत्रिमंडल में फेरबदल करके उन्हें शामिल करने की मांग उठ रही है। कुछ विधायकों ने तो खुले तौर पर मंत्री बनने की इच्छा भी व्यक्त की है। कर्नाटक में मुख्यमंत्री सहित मंत्रियों की स्वीकृत संख्या 34 है। कर्नाटक महर्षि वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति विकास निगम में गबन के आरोपों के बाद बी नागेंद्र ने मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था और हाल ही में पार्टी आलाकमान के निर्देश पर के.एन. राजन्ना को मंत्रिमंडल से बर्खास्त किए जाने के बाद मंत्रिमंडल में फिलहाल दो स्थान खाली हैं।

बेंगलूरु में शनिवार को सुबह लालबाग में सुबह की सैर करने वालों के साथ सेल्फी खिंचाते हुए उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार।

लालबाग के विकास के लिए 10 करोड़ रुपये, सुरंग वाली सड़क से बाग प्रभावित नहीं होगा : शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने शनिवार को बेंगलूरु में लालबाग के विकास के लिए 10 करोड़ रुपये के आवंटन की घोषणा करते हुए इस दावे को खारिज कर दिया कि सुरंग सड़क परियोजना के लिए बाग की छह एकड़ जमीन का अधिग्रहण किया जाएगा। शिवकुमार बेंगलुरु विकास के प्रभारी मंत्री भी हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि सुरंग सड़क परियोजना से लालबाग प्रभावित नहीं होगा।

बेंगलूरु के प्रमुख आकर्षणों में से एक लालबाग में उष्णकटिबंधीय और उपोष्णकटिबंधीय पेड़-पौधे हैं। 240 एकड़ में फैले इस पार्क में कई पेड़ सदियों पुराने हैं। शिवकुमार ने यहां संवाददाताओं से कहा, पैदल चलने वालों और सैर के लिये यहां आने वालों के साथ मेरी सार्थक चर्चा हुई। उनकी शिकायतों और सुझावों को मैने सुना। हमने लालबाग के विकास के लिए 10 करोड़ रुपये आवंटित करने का निर्णय किया है। इसके तहत, हमने बुजुर्गों और महिलाओं के लिए एक जिम स्थापित करने का भी निर्णय किया है। 'बेंगलूरु नाडिगे' (बेंगलूरु की सैर) कार्यक्रम के तहत पैदल यात्रियों और आम लोगों से बातचीत करने और सुरंग सड़क प्रवेश स्थल का निरीक्षण करने के बाद उन्होंने कहा, हमने लालबाग में सुबह से शाम तक एक डॉक्टर और एक एम्बुलेंस उपलब्ध कराने का निर्णय किया है। लालबाग में अब से शौचालय मुफ्त कर दिए जाएंगे।

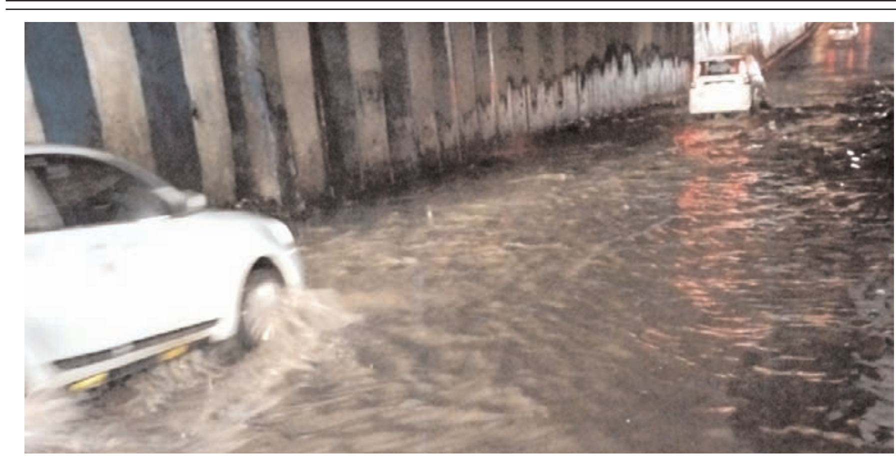

बेंगलूरु में रात भर हुई बारिश से जलभराव, यातायात हुआ बाधित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु में आंधी के साथ रात भर हुई बारिश से कई हिस्सों में जलभराव हो गया और यातायात बाधित हो गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यहां रेनबो लेआउट, पायनियर लेक रेजीडेंसी और अनेकल सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्र हैं। नीलाद्रि नगर (इलेक्ट्रॉनिक सिटी), इंदिरानगर, एचएसआर लेआउट और शहर के सबसे व्यस्त आईटी कॉरिडोर - आउटर रिंग रोड के भी जलमग्न हो जाने की खबरें हैं। कई स्थानों पर सड़कों पर घुटनों तक पानी देखा गया और ऐसे में जलभराव के बीच वाहनों का आवागमन भी काफी हद तक बाधित रहा।

कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने पत्रकारों से कहा, शुक्रवार रात बारिश हुई और हमारे अधिकारी सतर्क हैं। कोई बड़ी घटना की सूचना नहीं है हालांकि कुछ हिस्सों में जलभराव की खबरें हैं। अधिकारियों ने बताया कि बसवेश्वरनगर के तीसरे ब्लॉक में शुक्रवार रात एक विशाल पेड़ उखड़कर गिर गया जिससे वहां खड़े कम से कम दो वाहन क्षतिग्रस्त हो गए हालांकि किसी के घायल होने की खबर नहीं है।

कोलार, चिक्कबल्लापुरा, मैसूरु, मांड्या और चामराजनगर सहित पड़ोसी जिलों में भी रात भर व्यापक बारिश हुई। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बेंगलूरु और आसपास के क्षेत्रों में सामान्य रूप से बादल छाए रहने तथा मध्यम बारिश या गरज के साथ छींटे पड़ने का पूर्वानुमान व्यक्त किया है। आईएमडी के अनुसार, 30-40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ़्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है। अधिकतम तापमान के 29 और न्यूनतम तापमान के 20 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने के आसार हैं। यहां मौसम विज्ञान केंद्र के आंकड़ों के अनुसार, 10 अक्टूबर को सुबह साढ़े आठ बजे से 11 अक्टूबर को सुबह साढ़े पांच बजे के बीच एचएएल हवाई अड्डे पर गरज के साथ 20.7 मिलीमीटर बारिश हुई जबकि बेंगलूरु सिटी वेधशाला ने 67.1 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की।

जिले के दोड्डबल्लापुरा (बेंगलूरु ग्रामीण) में 53 मिलीमीटर, हसरघट्टा (बेंगलूरु ग्रामीण) में 14.5 मिलीमीटर, चंदुरायनहल्ली (रामनगर) 19.5 मिलीमीटर, चिक्कबल्लापुरा डीएचक्यू में 12.5 मिलीमीटर, हुनसूर (मैसूरु) में 8.5 मिलीमीटर, तमाका (कोलार) में 3.2 मिलीमीटर और गोपाल नगर (बेंगलूरु शहरी) में 10 मिलीमीटर बारिश हुई। हासन में 0.5 मिलीमीटर, मुदिगेरे (चिक्कमगलूरु) में 0.5 मिलीमीटर, हिरियुर (चित्रदुर्ग) में 2 मिलीमीटर और गोनिकोप्पल (कोडागु) में 1.5 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई।

बेंगलूरु में सरकारी अधिकारी बनकर घर में डाका डालने वाले सात लोग गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु में सरकारी अधिकारी बनकर एक घर पर डाका डालने के आरोप में सात लोगों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि उनकी गिरफ्तारी के साथ ही 1.27 करोड़ रुपये नकद, विभिन्न दस्तावेज और अपराध में इस्तेमाल की गई दो कारें भी बरामद की गईं हैं। पुलिस के अनुसार, यलहंका थाने में विनायक नगर निवासी एक व्यक्ति ने दर्ज करवाई शिकायत में कहा कि 19 सितंबर की सुबह चार अज्ञात व्यक्ति सरकारी अधिकारी बनकर उसके घर में घुस आए। घर में घुसने के बाद उन्होंने वहां मौजूद शिकायतकर्ता की पत्नी और मां को कथित तौर पर धमकाया, परिसर में तलाशी ली तथा नकदी से भरा सूटकेस, दस्तावेज समेत बैग लूटकर भाग गए। शिकायत के आधार पर यलहंका थाने में डकैती का मामला दर्ज किया गया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि जांच के दौरान 23 सितंबर को संजय नगर में एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ करने पर उसने अपराध कबूल कर लिया और अपने साथियों की संलिप्तता का खुलासा किया। खुलासे के बाद पुलिस ने आरोपियों के गोदाम और कार्यालय से 38.8 लाख रुपये नकद, दस्तावेजों से भरे तीन बैग और अपराध में प्रयुक्त एक कार जब्त की। इसके बाद अन्य आरोपियों को भी गिरफ्तार कर लिया गया तथा सभी सातों आरोपी राजेन्द्र जैन, जगनमोहन गौड़ा, श्रीनिवास, किरण कुमार जैन, हेमन्त कुमार जैन, शरणप्पा, श्रीनिवास गौडा, श्रीनिवास राममूर्ति को अदालत में पेश कर उन्हें 10 दिनों की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया।

कुशलक्षेम

बेंगलूरु में शनिवार को मणिपाल अस्पताल में पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा के स्वास्थ्य की जानकारी लेते हुए भाजपा केन्द्रीय संसदीय बोर्ड के सदस्य एवं पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येडीयुरप्पा एवं भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष विजयेन्द्र येडीयुरप्पा।

बंगारपेट स्टेशन पर 'अमृत संवाद' का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। दक्षिण पश्चिम रेलवे के बेंगलूरु मंडल में 2 अक्टूबर से स्वच्छता के लिए एक विशेष अभियान शुरू किया गया है, जो 31 अक्टूबर तक चलेगा। इस अभियान के तहत, सघन स्वच्छता अभियान, श्रमदान, सफाई और स्वच्छता के लिए खानपान स्टालों का निरीक्षण, खानपान कर्मचारियों को व्यक्तिगत स्वच्छता के प्रति जागरूक करना, एकल-उपयोग प्लास्टिक के हानिकारक प्रभावों के बारे में यात्रियों के लिए जागरूकता कार्यक्रम, बायो-टॉयलेट का उचित उपयोग, कचरे का पृथक्करण और स्वच्छता संबंधी अन्य पहल जैसी विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की जा रही हैं।

इस अभियान के तहत, बंगारपेट रेलवे स्टेशन पर एक अमृत संवाद का आयोजन किया गया। मंडल रेल प्रबंधक आशुतोष कुमार सिंह ने यात्रियों को संबोधित किया और उन्हें विभिन्न बुनियादी ढाँचे के विकास कार्यों, अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत स्टेशन पुनर्विकास, यात्री सुविधाओं में वृद्धि और जनता की सुविधा के लिए की गई विभिन्न डिजिटल पहलों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने यात्रियों से बातचीत की और रेलवे सेवाओं को और बेहतर बनाने के लिए उनकी प्रतिक्रिया और सुझाव मांगे।

इस अवसर पर अपर मंडल रेल प्रबंधक परीक्षित मोहनपुरिया, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक कृष्ण चैतन्य और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

स्टालिन ने ग्रामीण विकास के लिए सामूहिक प्रयास पर दिया बल

चेन्नई । मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने शनिवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से तमिलनाडु की 10,000 से ज्यादा ग्राम सभाओं को संबोधित किया। उन्होंने ग्रामीण समुदायों को सशक्त बनाने और जमीनी स्तर पर लोकतंत्र को मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता का भी उल्लेख किया।

स्थानीय आवश्यकताओं की पहचान करने और जीवन स्तर व बुनियादी ढांचे में सुधार के उद्देश्य से प्रस्ताव पारित करने हेतु 12,480 ग्राम पंचायतों में एक साथ बैठकें आयोजित की गईं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा, गांव हमारे राष्ट्र की रीढ़ हैं। जैसा कि महात्मा गांधी ने कहा था, स्वतंत्र भारत की शक्ति उसके गांवों में निहित है। हमने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने और स्थानीय शासन को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए कई योजनाएं बनाई हैं। ये पहल तमिलनाडु की पंचायतों के विकास की नींव रखती हैं।

ग्राम सभाओं को सहभागी लोकतंत्र के मंच के रूप में प्रस्तुत करते हुए, स्टालिन ने कहा कि प्रत्येक नागरिक को पंचायत प्रशासन का हिस्सा बनने का अधिकार है। उन्होंने आगे कहा, इसलिए हर साल छह ग्राम सभा बैठकें आयोजित की जाती हैं, जहां लोग विकास लक्ष्यों, कल्याणकारी उपायों पर चर्चा करते हैं और प्रमुख प्रस्ताव पारित करते हैं।

मुख्यमंत्री ने निवासियों से प्रत्येक पंचायत की तीन प्रमुख आवश्यकताओं को प्राथमिकता देने और 'नम्मा ऊरु नम्मा अरासु' (हमारा गांव, हमारा शासक) योजना के तहत प्रस्ताव पारित करने का आग्रह किया। उन्होंने अधिकारियों को गांव की गलियों, सड़कों और सार्वजनिक स्थानों से जाति-आधारित नाम हटाने और सामुदायिक सहमति से उनकी जगह तटस्थ या प्रकृति-प्रेरित नाम रखने का भी निर्देश दिया।

बस की चपेट में आकर बच्ची की मौत

बेंगलूरु। यहां बेंगलूरु महानगर परिवहन निगम (बीएमटीसी) की बस की चपेट में आ जाने से शनिवार को नौ वर्षीय एक लड़की की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पीड़ित लड़की की पहचान भुवना के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, राजाजीनगर में पंचजन्य विद्या पीठ स्कूल के पास अपनी दो बहनों के साथ सड़क पार करते समय लड़की को बीएमटीसी बस ने कथित तौर पर टक्कर मार दी।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि उसके सिर में गंभीर चोटें आईं और उसे अस्पताल ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस के अनुसार, दुर्घटना के बाद बस चालक मौके से फरार हो गया और उसे पकड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस ने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच की जा रही है।

वॉकथॉन

अखिल भारतीय महिला कांग्रेस (एआईएमसी) की महासचिव सौम्या रेड्डी और पार्टी कार्यकर्ता, स्तन कैंसर जागरूकता के लिए बेंगलूरु, कर्नाटक में वॉकथॉन में भाग लेती हुईं।

किसान को अच्छा बीज, तकनीक और सलाह मिलने से कृषि में बढ़ेगी उत्पादकता : भजनलाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर,। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को नई दिल्ली के भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान में आयोजित विशेष कृषि कार्यक्रम में प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना और दलहन आत्मनिर्भरता मिशन की शुरूआत की। उन्होंने देश को 24 हजार करोड़ रुपये के परिव्यय वाली प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना एवं 11 हजार 440 करोड़ रुपये के परिव्यय वाली दलहन आत्मनिर्भरता मिशन की सौगात दी। इस अवसर पर उन्होंने कृषि, पशुपालन, मत्स्य पालन और खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्रों में विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास भी किया। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये जुड़े तथा प्रधानमंत्री के संबोधन का श्रवण किया। इससे पहले मुख्यमंत्री ने राज्य कृषि प्रबंधन संस्थान दुर्गापुरा में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने धन-धान्य कृषि योजना, दलहन मिशन और अन्य महत्वपूर्ण योजनाओं का शुभारंभ कर देश की कृषि व्यवस्था में एक नए युग का आरंभ किया हैं। ये योजनाएं उत्पादन बढ़ाने के साथ ही खेती को अधिक आत्मनिर्भर और टिकाऊ बनाने का काम करेंगी। प्रधानमंत्री की इस दूरदर्शी पहल से किसान भाई-बहन अब केवल पारंपरिक खेती तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि आधुनिक तकनीक, वैज्ञानिक तरीकों और बाजार से बेहतर जुड़ाव के माध्यम से समृद्धि और प्रगति का नया अध्याय रचेंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का स्पष्ट मानना है कि यदि देश को आत्मनिर्भर और समृद्ध बनाना है, तो हमें अपने अन्नदाताओं को सशक्त बनाना होगा। प्रधानमंत्री ने किसानों की आय दोगुनी करने की दिशा में उठाए ठोस कदम

शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किसानों की आय दोगुनी करने की दिशा में ठोस कदम उठाए हैं। पीएम किसान सम्मान निधि के माध्यम से करोड़ो किसानों को आर्थिक सहायता पहुंचाई जा रही है। मजबूत डिजिटल व्यवस्था से यह धनराशि बिना किसी बिचौलिए के समय पर सही लोगों तक पहुंच रही है। उन्होंने कहा कि फसल बीमा योजना के तहत प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले नुकसान से किसानों को सुरक्षा प्रदान की जा रही है। मृदा स्वास्थ्य कार्ड, नीम कोटेड यूरिया, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना जैसी अनेक योजनाओं से कृषि क्षेत्र को नई दिशा मिली है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री धन धान्य कृषि योजना के तहत देश के ऐसे 100 कृषि जिलों को चुना गया है। कम उत्पादकता, मध्यम फसल तीव्रता एवं औसत से कम ऋण उपलब्धता इन जिलों के चयन का मुख्य आधार है। देश से 100 जिलों में से राज्य के आठ जिलों बाड़मेर, जैसलमेर, नागौर, जोधपुर, बीकानेर, पाली, जालोर और चूरू को इस योजना में शामिल किया गया हैं। उन्होंने कहा कि इस योजना का उद्देश्य उत्पादकता बढ़ाने के साथ ही फसल विविधीकरण, सिंचाई सुविधाओं में सुधार, भंडारण क्षमता में वृद्धि और किसानों को आसान ऋण उपलब्ध कराना है। इसके लिए कृषि, पशुपालन, डेयरी, मत्स्य, सहकारिता, खाद्य प्रसंस्करण, ग्रामीण विकास एवं जलसंसाधन सहित 11 विभागों को जोड़ा गया है। शर्मा ने कहा कि इस योजना का पहला लक्ष्य सिंचाई का विस्तार करना है। यह योजना प्रधानमंत्री के हर खेत को पानी के सपने को साकार करने की दिशा में काम करेगी। छोटे किसानों को सूक्ष्म सिंचाई यानी ड्रिप और स्प्रिंकलर की सुविधा मिलेगी तथा परंपरागत जलाशयों का पुनर्जीवन एवं सिंचित क्षेत्र का विकास होगा। उन्होंने कहा कि हमारे प्रदेश में अब तक लगभग 23 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सूक्ष्म सिंचाई संयत्र स्थापित किए जा चुके हैं और आने वाले वर्षों में संपूर्ण सिंचित क्षेत्र में ड्रिप और स्प्रिंकलर संयत्र स्थापित करना हमारा लक्ष्य है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों के खेतों में वर्षा जल का संचयन सुनिश्चित करने के लिए अब तक 35 हजार 368 फार्म पौंड बनाए जा चुके हैं, जिन पर करीब 307 करोड़ रुपये का अनुदान दिया गया है। राज्य के विभिन्न जिलों में 7 हजार 903 डिग्गियां और 98 हजार 753 पाइपलाइन इकाइयां स्थापित की गई हैं, जिन पर 400 करोड़ रुपये से अधिक का व्यय हुआ है। उन्होंने कहा कि रामजल सेतु लिंक परियोजना के तहत पार्वती, काली सिंध, इस्टर्न राजस्थान केनाल प्रोजेक्ट जैसी परियोजनाओं पर तेजी से काम किया जा रहा है, जिनसे किसानों को खेती के लिए भरपूर पानी मिल सकेगा।

पाकिस्तानी एजेंसी के लिए जासूसी के आरोप में एक व्यक्ति गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान पुलिस ने पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के लिए जासूसी करने के आरोप में अलवर जिले से एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी मंगत सिंह को शनिवार को जयपुर की एक विशेष अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे तीन दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया। उसे शुक्रवार को गिरफ्तार किया गया था। पुलिस के अनुसार अलवर के गोविंदगढ़ का रहने वाला मंगत सिंह पिछले दो साल से एक पाकिस्तानी महिला हैंडलर के संपर्क में था और सोशल मीडिया के माध्यम से कथित तौर पर भारतीय सैन्य गतिविधियों से जुड़ी संवेदनशील जानकारी साझा कर रहा था।

एक सरकारी वकील ने कहा, मंगत हैंडलर के संपर्क में था। उसने हैंडलर के नंबर 'ईशा शर्मा' और 'ईशा बॉस' जैसे नाम से सेव कर रखे थे। उसने सेना और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की गतिविधियों, खासकर अलवर छावनी और अंबाला छावनी क्षेत्रों से जुड़ी कई तस्वीरें और वीडियो साझा किए। जांच के अनुसार मंगत सिंह को जानकारी के बदले पाकिस्तान से कई लेन-देन में 10,000 रुपये से अधिक मिले। उसके मोबाइल फोन में ऑपरेशन सिंदूर से पहले सैनिकों की गतिविधियों के संकेत देने वाले कोडित संदेशों सहित संवेदनशील आदान-प्रदान के रिकॉर्ड मिले हैं।

अलवर के एक कारखाने में काम करने वाले मंगत सिंह को स्थानीय लोग 'सिद्ध पुरुष' के रूप में जानते हैं और वह अक्सर धार्मिक आयोजनों में शामिल होता था। इससे उसे रक्षा कर्मियों और नागरिकों दोनों के साथ घनिष्ठ संबंध बनाने में मदद मिली। पुलिस अधिकारी ने कहा, मंगत ने लोगों का विश्वास जीतने के लिए धार्मिक कार्यक्रमों का सहारा लिया। इस दौरान वह सेना और बीएसएफ के कई कर्मियों के संपर्क में आया। उन्होंने कहा कि एजेंसियां अब उन लोगों से पूछताछ करने की तैयारी कर रही हैं जिन्होंने अनजाने में उससे साथ बातचीत की होगी। आरोपी को राजस्थान पुलिस की खुफिया इकाई ने हिरासत में लिया था और खुफिया एजेंसियों द्वारा पूछताछ के बाद शुक्रवार को उसे शासकीय गुप्त बात अधिनियम के तहत गिरफ्तार कर लिया गया।

दो परिवारों के आठ लोगों ने आत्महत्या की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के जयपुर और सीकर जिले में दो परिवारों के आठ लोगों ने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि जयपुर में एक बुजुर्ग व्यक्ति, उनकी पत्नी और बेटे ने किराए के मकान में कथित तौर पर जहर खाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस के मुताबिक, शनिवार सुबह जब उनके कमरे का दरवाजा देर तक नहीं खुला तो मकान मालिक ने पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद मौके पर पहुंचे पुलिसकर्मियों ने दरवाजा तोड़कर शवों को बरामद किया। करणी विहार के थानाधिकारी हवा सिंह ने बताया कि रूपेंद्र शर्मा (63), उनकी पत्नी सुशीला शर्मा (58) और उनके बेटे पुलकित शर्मा (32) मृत पाए गए।

उन्होंने बताया कि प्रथम दृष्टया ऐसा लगता है कि उन्होंने कल रात जहर खा लिया था। थानाधिकारी ने बताया, प्राथमिक जांच से पता चला कि परिवार आर्थिक तंगी से जूझ रहा था और मामले की जांच जारी है। वहीं सीकर में एक महिला ने पति से विवाद के बाद अपने चार बच्चों के साथ आत्महत्या कर ली। पुलिस ने बताया कि परिवार यहां एक फ्लैट में रहता था। सीकर सदर थानाधिकारी इंद्राज मरोदिया ने बताया, इमारत के अन्य निवासियों ने शनिवार सुबह महिला के फ्लैट से बदबू आने की शिकायत की। पुलिस मौके पर पहुंची और गेट खोला। फ्लैट में किरण (35), बेटा सुमित (18), आयुष (चार) व अवनीश (तीन) और बेटी स्नेहा (13) के सड़े-गले शव मिले। उन्होंने बताया कि संदेह है कि परिवार ने दो-तीन दिन पहले जहर खाकर आत्महत्या कर ली थी। अधिकारी ने बताया कि महिला के परिजनों को मामले की सूचना दे दी गई है।

विद्यालय स्तर से ही मिले अंगदान से जुड़ी शिक्षा : राज्यपाल बागड़े

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने विद्यालय स्तर से ही अंगदान के लिए जागरूकता से जुड़ी शिक्षा का प्रसार करने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि अंगदान महादान है। हमारे यहां लाखों लोग अंग प्रत्यारोपण नहीं होने से अपनी जान गंवा देते हैं। इन मौतों को रोकने के लिए अंगदान से जन जन को जोड़ा जाए।

राज्यपाल बागड़े शनिवार को भारतीय अंग प्रत्यारोपण सोसाइटी द्वारा आयोजित समारोह में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अंगदान महादान है। यह किसी के जीवन को बचाने जैसा है। उन्होंने चिकित्सा महाविद्यालयों में अंगदान की शिक्षा सम्मिलित किए जाने का भी सुझाव दिया।

बागड़े ने कहा कि अंग दान को जन आंदोलन बनाया जाए। उन्होंने कहा कि भारत में प्राचीन काल से हो अंगदान की परम्परा रही है। उन्होंने महर्षि दधीचि का उदाहरण देते हुए कहा कि उन्होंने असुरों के वध के लिए अपनी हड्डियों का दान कर दिया था। उनकी हड्डियों से इंद्र के लिए वज्र नाम का अस्त्र बनाया गया था। राज्यपाल ने चिकित्सकों कोअंगदान के लिए प्रेरित करने के साथ आम जन को रोगों से बचाव, खान पान और जीवन शैली में सुधार करने हेतु भी कार्य किए जाने पर जोर दिया। उन्होंने भारत में अंगदान करने वाले लोगों का उदाहरण देते हुए उनसे प्रेरणा लेने का आह्वान किया। आरंभ में राज्यपाल ने दीप प्रज्वलित कर समारोह का शुभारंभ किया।

डेनमार्क गए किसानों ने डेनमार्क के आहरस में एग्रो फूड पार्क का विजिट किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। किसानों की क्षमता वृद्धि के लिए नॉलेज एनहांसमेंट प्रोग्राम के तहत 38 प्रगतिशील किसानों का दल तीन मंत्रियों के नेतृत्व में इन दिनों डेनमार्क दौरे पर है। डेनमार्क में यह दल वहां कृषि और पशुपालन की नई तकनीकों और नवाचारों के बारे में जानकारी प्राप्त कर रहा है।

भ्रमण के दौरान इस दल की डेनमार्क के विभिन्न संगठनो के साथ बैठकें हो रही हैं जिसमें कृषि पशुपालन के क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए दोनों देशों द्वारा अपने अनुभवों और जानकारियों को साझा किया जा रहा है। डेनमार्क गए किसानों एवं पशुपालकों ने अपने प्रवास के दूसरे दिन डेनमार्क के आहरस में एग्रो फूड पार्क का विजिट किया। वहां उन्होंने पशुओं के उन्नत आवास एवं दूध उत्पादन में वृद्धि, दूध की गुणवत्ता एवं शेल्फ लाइफ बढ़ाने आदि की नवीन तकनीक के विषय में विशेषज्ञों से जानकारी प्राप्त की।

बातचीत के दौरान पशुपालन मंत्री महोदय जोराराम कुमावत ने डेनमार्क की कंपनी के प्रतिनिधियों को राजस्थान में पशुपालन के क्षेत्र मे हो रहे निरंतर विकास और वैज्ञानिक पद्धतियों के उपयोग के विषय में विस्तार से बताया। पशुपालन राज्य मंत्री बेढम ने डेनमार्क में उपलब्ध नवीन तकनीकी का उपयोग कर राज्य की देसी नस्लों में दूध उत्पादन बढ़ाने हेतु एवं डेनमार्क की तकनीकी को राजस्थान के संदर्भ में विकसित करने हेतु कार्य किए जाने की आवश्यकता बताई।

दल ने एक ऑर्गेनिक डेयरी फार्म का भ्रमण किया जहां गायों को पूर्ण रूप से ऑर्गेनिक तरीके से पाला जा रहा है तथा ऑर्गेनिक दूध का उत्पादन किया जा रहा है। यह दूध किसान कोऑपरेटिव के माध्यम से बाजार में अच्छे दामों में बेचा जाता है। भारत के किसानों ने इस पद्धति में बेहद रुचि दिखाई और इस पद्धति को प्रदेश में अपनाने की इच्छा जाहिर की। किसानों के दल ने दौरे के पहले दिन पशुओं में नस्ल संरक्षण एवं संवर्द्धन द्वारा दूध उत्पादन बढ़ाने तथा पशुओं से संबंधित सभी डाटा को संग्रहित करने की आवश्यकता की जानकारी भी प्राप्त की।

प्रौद्योगिकी ही समृद्धि, सुरक्षा और सम्मान की कुंजी : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर,। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि जो राष्ट्र नई तकनीक और नवाचारों में अग्रणी बनते हैं, वही दुनिया में नेतृत्व करते हैं। मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान ने नवाचार, उद्यमिता और वैश्विक स्तर के अनुसंधान के माध्यम से राजस्थान का नाम ऊंचा किया है। एमएनआईटी अब ज्ञान, नवाचार और राष्ट्रसेवा का प्रतीक बन चुका है। यह युवाओं की जिम्मेदारी है कि वे इस विरासत को आगे बढ़ाएं और भारत को केवल तकनीक का उपभोक्ता ही नहीं, बल्कि निर्माता भी बनाएं।

शर्मा शनिवार को मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान के 19वें दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हमें अपनी कर्मशीलता को प्रयोगशालाओं, स्टार्टअप्स, उद्योगों और कक्षाओं तक लेकर जाना है। भविष्य सेमीकंडक्टर, क्वांटम कंप्यूटर, नवीकरणीय ऊर्जा प्रणालियां और कृत्रिम बुद्धिमत्ता का है। वैज्ञानिक, प्रौद्योगिकीविद, रणनीतिकार और नवप्रवर्तक भविष्य के नायक होंगे। उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी वह कुंजी है जो समृद्धि, सुरक्षा और सम्मान के द्वार खोलती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि एमएनआईटी का एन.आई.आर.एफ. की रैंकिंग में उत्तर भारत के शीर्ष एन.आई.टी. के रूप में स्थान प्राप्त करना हम सभी के लिए गौरव की बात है। इस संस्थान की अनुसंधान यात्रा में 249 परामर्श परियोजनाएं, 13 करोड़ से अधिक की राशि के साथ एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना की दक्षिण पश्चिम कमान, रैडॉक्स इंजीनियरिंग और परमाणु ऊर्जा विभाग के अंतर्गत न्यूक्लियर फ्यूल कॉम्प्लेक्स के साथ एम.ओ.यू. इस संस्थान के लिए नए आयाम स्थापित करेगा।

शर्मा ने कहा कि एमएनआईटी से इस वर्ष 150 से अधिक विद्यार्थी डॉक्टरेट उपाधि प्राप्त कर रहे हैं तथा 30 से अधिक दिव्यांग विद्यार्थी स्नातक हुए हैं। इस वर्ष 77 अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थियों का भी संस्थान में प्रवेश हुआ है।

उन्होंने कहा कि देश के सभी एन.आई.टी. में सबसे अधिक छात्रा-छात्र अनुपात प्राप्त कर यह संस्थान नारी सशक्तीकरण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित करता है। नई शिक्षा नीति को यहां के पाठ्यक्रम में लागू कर विद्यार्थियों को नीति के अनुरूप प्रशिक्षण मिल रहा है।

उन्होंने कहा कि संस्थान ने प्रौद्योगिकी के साथ कदम से कदम मिलाते हुए डिग्रियों को राष्ट्रीय शैक्षणिक डिपॉजिटरी के डिजिलॉकर प्लेटफॉर्म पर भी अपलोड करना प्रारंभ किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमारा देश विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की उपलब्धि अर्जित कर चुका है और अब तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की तरफ अग्रसर है। अगले दो दशकों में भारत दुनिया की शीर्ष आर्थिक ताकतों में शुमार होगा। उन्होंने कहा कि हमारे युवा, हमारा कौशल और हमारी तकनीकी क्षमता अभूतपूर्व होगी और इस परिवर्तन के केंद्र में युवा शक्ति और एम.एन.आई.टी. जैसे संस्थान होंगे।

शर्मा ने कहा कि सरकार की स्टार्टअप पॉलिसी ने राज्य के युवाओं को नवाचार और उद्यमिता के नए अवसर प्रदान किए हैं। एवीजीसी-एक्सआर पॉलिसी लागू की गई है। स्कूली छात्रों में उद्यमिता और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए आई-स्टार्ट कार्यक्रम का विस्तार किया है। इसके तहत 66 आईस्टार्ट लॉन्चपैड नेस्ट स्थापित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि राजस्थान स्टार्टअप कार्यक्रम के तहत वर्ष 2024-25 में 2 हजार 28 स्टार्टअप्स पंजीकृत हुए तथा 300 स्टार्टअप्स को आई-स्टार्ट फंड से लगभग 11 करोड़ रुपये की फंडिग प्रदान की गई। लर्न, अर्न एण्ड प्रोग्रेस प्रोग्राम (लीप) कार्यक्रम के तहत स्टार्टअप को पुनर्जीवित करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बारहवीं कक्षा के तुरंत बाद राज्य के युवाओं के लिए कौशल उन्नयन और रोजगार के अवसर पैदा करने के उद्देश्य से अर्ली कैरियर प्रोग्राम (टेकबी) शुरू किया है। रिप्स 2024 के तहत, आईटी, आईटीईएस प्रोजेक्टस को एसेट-क्रिएशन इंसेंटिव के लिए 3 विकल्प दिए जा रहे है, जिनमें 7 वर्षों तक 75 प्रतिशत एसजीएसटी की प्रतिपूर्ति, 20 प्रतिशत कैपिटल सब्सिडी व 1.4 प्रतिशत टर्नओवर-लिंक्ड इंसेंटिव शामिल हैं। इनमें से किसी एक का लाभ लिया जा सकता है।

नए आपराधिक कानूनों के क्रियान्वयन का एक वर्ष पूर्ण, गृह मंत्री अमित शाह 13 को करेंगे उद्घाटन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर । देश की आपराधिक न्याय प्रणाली में क्रान्तिकारी बदलाव लाने वाली तीन नवीन आपराधिक संहिताओं को लागू हुए एक वर्ष पूरा हो चुका है। 1 जुलाई 2024 से लागू हुए इन ऐतिहासिक कानूनों की पहली वर्षगांठ के उपलक्ष्य में केंद्र सरकार दंड के स्थान पर न्याय की अपनी अवधारणा को प्रदर्शित करने के लिए जयपुर में एक आयोजन करने जा रही है। नए आपराधिक कानूनों के एक वर्ष के सकारात्मक बदलाव के लिए जयपुर एग्जिबीशन एवं कन्वेंशन सेंटर (गएउउ), सीतापुरा में 13 से 18 अक्टूबर, 2025 तक एक भव्य प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है। इस महत्वपूर्ण प्रदर्शनी का उद्घाटन 13 अक्टूबर, 2025 को केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के कर कमलों द्वारा किया जाएगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री राजस्थान सरकार भजनलाल शर्मा और कार्यवाहक मुख्य न्यायाधिपति, राजस्थान उच्च न्यायालय संजीव प्रकाश शर्मा सहित कई गणमान्य अतिथि उपस्थित रहेंगे। पुलिस मुख्यालय में कर्टन रेजर

मुख्य सचिव पंत ने इस मौके पर कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अनुसार नए आपराधिक कानून जनता का, जनता द्वारा, जनता के लिए की भावना को मजबूत करते हैं जो लोकतंत्र की नींव है। उन्होंने कहा कि बरसों बाद औपनिवेशिक कानूनों में व्यापक बदलाव हुए हैं, जिसने देश को दंड की पुरानी अवधारणा से हटाकर न्याय की ओर प्रवृत्त किया है। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि यह प्रदर्शनी दिल्ली के बाद अब राजस्थान में नए कानूनों के क्रियान्वयन से आए परिवर्तनों को दर्शाएगी, जहां डेमो द्वारा विस्तृत जानकारी मुहैया कराई जाएगी।

पंत ने सभी से इन नए कानूनों की जानकारी जन-जन तक पहुँचाने में सकारात्मक सहभागिता निभाने का आह्वान किया।

कैंसर जागरूकता के लिए सभी मिलकर कार्य करें : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने 9 से 14 वर्ष की बालिकाओं के एच.पी.वी. वैक्सीन को महत्वपूर्ण बताते हुए कैंसर जागरूकता के लिए समाज में प्रभावी कार्य किए जाने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि कैंसर असाध्य रोग है, पर समय पर पहचान और अच्छा इलाज होता है तो इससे जीवन की जंग जीत सकते हैं। राज्यपाल बागड़े शनिवार को जयपुर कैंसर रिलीफ सोसायटी के 25 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित समारोह में बोल रहे थे। उन्होंने बालिकाओं के स्वास्थ्य के साथ कैंसर जैसे भयानक जीवाणु संक्रमण से बचाने की मुहिम और टीकाकरण के संस्था के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि गर्भाशय ग्रीवा कैंसर के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। हमारे देश में हर वर्ष 1.25 लाख महिलाएं इस कैंसर से प्रभावित होती है और इनमें से 70 हजार की मृत्यु हो जाती है। हर आठ मिनट में एक महिला इस कैंसर से काल के गाल में चली जाती है। इस दृष्टि से एच.पी.वी. टीकाकरण के लिए और अधिक प्रयास हों।

राज्यपाल ने रोग की पहचान के साथ कैसे स्वस्थ जीवन शैली के लिए लोगों को प्रेरित किया जाए, इस संदर्भ में भी कार्य करने पर जोर दिया। बागड़े ने जयपुर कैंसर सोसायटी को युवाओं को भी अधिकाधिक जोड़कर कैंसर रोधी कार्य किए जाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि राजस्थान में कैंसर के मामले राष्ट्रीय औसत से अधिक हैं। इसे देखते वर्ष पर्यंत शहरी के साथ सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में कैंसर जागरूकता के लिए मिलकर कार्य किया जाए। राज्यपाल ने इससे पहले संस्था की स्मारिका मृत्युंजय का लोकार्पण भी किया।

प्रधानमंत्री ने ओडिशा में 160 करोड़ रुपए की मत्स्यिकी परियोजनाओं की आधारशिला रखी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को ओडिशा में लगभग 160 करोड़ रुपए की दो मत्स्यिकी परियोजनाओं की आधारशिला रखी। उन्होंने दिल्ली में 24,000 करोड़ रुपए की प्रधानमंत्री धन धान्य कृषि योजना (पीएम-डीडीकेवाई) और दालों में आत्मनिर्भरता के लिए 11,440 करोड़ रुपए के मिशन की शुरुआत करते हुए मत्स्य पालन परियोजनाओं की आधारशिला रखी। मत्स्यिकी परियोजनाओं में संबलपुर जिले के बसंतपुर में 100 करोड़ रुपए का एकीकृत 'एक्वा पार्क' और भुवनेश्वर के पंडारा में 59.13 करोड़ रुपए का मछली बाजार शामिल है। मुख्यमंत्री मोहन चरण मांझी, उपमुख्यमंत्री के.वी. सिंह देव और अन्य लोग यहां ओयूएटी परिसर में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में डिजिटल माध्यम से कार्यक्रम में शामिल हुए।

माझी ने कहा कि भुवनेश्वर में मछली बाजार परियोजना प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना (पीएमएमएसवाई) के तहत एक और महत्वपूर्ण पहल है। मुख्यमंत्री ने कहा, 59.13 करोड़ रुपए में से 30 करोड़ रुपए केंद्र द्वारा तथा शेष राशि राज्य द्वारा दी जाएगी। उन्होंने कहा कि यह परियोजना राज्य सरकार के मत्स्य एवं पशु संसाधन विभाग तथा भुवनेश्वर नगर निगम (बीएमसी) के सहयोग से क्रियान्वित की जाएगी और इससे 143 व्यापारियों को प्रत्यक्ष लाभ होगा तथा 2,000 से अधिक लोगों के लिए अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि मछली बाजार भुवनेश्वर और कटक में उपभोक्ताओं की मांग को पूरा करेगा। उन्होंने कहा कि परियोजना के क्रियान्वयन के लिए बीएमसी के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं और यह कार्य नवंबर 2027 तक पूरा हो जाएगा।

जो पार्टी 'खेला-मेला' में उलझ जाती है, वह अपनी राजनीतिक आत्मा खो देती है : तृणमूल सांसद रॉय

कोलकाता/भाषा। तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ सांसद सौगत रॉय के इस बयान पर विवाद खड़ा हो गया है कि किसी पार्टी को खेला और मेला के आयोजन में नहीं उलझना चाहिए, बल्कि राजनीतिक गतिविधियों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए, खासकर जब चुनाव नजदीक हों।

रॉय ने दमदम लोकसभा क्षेत्र के बरानगर में शुक्रवार रात आयोजित 'बिजया सम्मिलनी' में यह टिप्पणी की, जिससे वहां मौजूद सैकड़ों तृणमूल समर्थक और अन्य लोग स्तब्ध रह गए। पश्चिम बंगाल में विपक्षी दल मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस पर केवल खेला और मेला पर ध्यान देने तथा विकास एवं प्रशासनिक मुद्दों की अनदेखी करने का आरोप लगाते रहे हैं। रॉय ने कहा, जब कोई पार्टी मेलों और खेल स्पर्धाओं को प्राथमिकता देने में व्यस्त हो जाती है, तो वह धीरे-धीरे अपनी राजनीतिक आत्मा खो देती है। हमें यह ध्यान रखना चाहिए कि राज्य में विधानसभा चुनाव के आयोजन में केवल छह महीने ही शेष हैं। उन्होंने कहा, पार्टी को सियासी गतिविधियों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए, चुनौतियों से निपटने के लिए रणनीति तैयार करनी चाहिए और राजनीतिक कार्यक्रमों में शामिल होना चाहिए, न कि केवल उन अन्य आयोजनों में व्यस्त रहना चाहिए, जो पार्टी की राजनीतिक पहचान से मेल नहीं खाते। रॉय की इन टिप्पणियों वाला एक कथित वीडियो शनिवार को सोशल मीडिया पर सामने आया। हालांकि, 'पीटीआई-भाषा' स्वतंत्र रूप से वीडियो की प्रामाणिकता की पुष्टि नहीं करता।

निर्भया कोष की मदद से महिलाओं के लिए 854 'वन-स्टॉप' केंद्र स्थापित किए गए : अन्नपूर्णा देवी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने शनिवार को कहा कि हिंसा से पीड़ित महिलाओं को आश्रय, परामर्श, चिकित्सा सहायता और कानूनी सहायता प्रदान करने के लिए निर्भया कोष की मदद से पूरे भारत में महिलाओं के लिए 854 'वन-स्टॉप' केंद्र स्थापित किए गए हैं।

अन्नपूर्णा देवी 'बालिकाओं की सुरक्षा: भारत में उनके लिए सुरक्षित और सक्षम वातावरण की दिशा में' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय वार्षिक हितधारक परामर्श को संबोधित कर रही थीं। इसका आयोजन 'यूनिसेफ इंडिया' के सहयोग से उच्चतम न्यायालय की किशोर न्याय समिति द्वारा किया गया था। यह कार्यक्रम अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस पर आयोजित किया गया, जिसके बारे में मंत्री ने कहा कि इससे चर्चा विशेष रूप से सार्थक रही। देवी ने कहा कि पिछले साल भारत में कानूनी रूप से गोद लिए गए बच्चों में 56 प्रतिशत लड़कियां थीं, जो सामाजिक दृष्टिकोण में बदलाव को दर्शाता है। उन्होंने कहा, ''अब लड़कियों को बोझ नहीं, बल्कि आशा की किरण समझा जाता है।'' मंत्री ने महिला हेल्पलाइन 181, पुलिस थानों में महिला हेल्प डेस्क, कामकाजी महिलाओं के लिए छात्रावास और शक्ति साधन जैसी पहलों और महिलाओं की सुरक्षा एवं आत्मनिर्भरता को मजबूत करने में उनकी भूमिका के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा, ''यह केवल एक नीतिगत चर्चा नहीं है, बल्कि हमारे राष्ट्र के भविष्य, हमारी सामाजिक चेतना और हमारी नैतिक जिम्मेदारी का एक जीवंत उदाहरण है। कार्यक्रम में भारत के प्रधान न्यायाधीश बी.आर. गवई और अन्य लोग भी शामिल थे। देवी ने कहा कि नारी शक्ति प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 2047 तक विकसित भारत के दृष्टिकोण के मूल में है और मिशन शक्ति, मिशन वात्सल्य और मिशन पोषण 2.0 के माध्यम से सरकार का एकीकृत दृष्टिकोण महिलाओं की सुरक्षा, सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना है।

अयोध्या के 56 घाटों पर 28 लाख दीप जलाकर नया विश्व रिकॉर्ड बनाने की तैयारी

अयोध्या/भाषा। उत्तर प्रदेश में भगवान श्रीराम की नगरी अयोध्या में 56 घाटों पर इस वर्ष 28 लाख दीप जलाकर विश्व कीर्तिमान स्थापित करने की तैयारी चल रही है। शनिवार को एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। बयान में कहा गया है कि अयोध्या इस वर्ष एक बार फिर विश्व मंच पर अपनी आस्था, संस्कृति और गौरव का प्रकाश फैलाने जा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली सरकार में इस बार नौवां दीपोत्सव-2025 अब तक का सबसे भव्य और ऐतिहासिक आयोजन बनने जा रहा है। सरयू नदी के तट के 56 घाटों पर लगभग 28 लाख दीपों के प्रज्वलन के लिए 28 लाख दिए बिछाए जाएंगे, जो एक नया विश्व रिकॉर्ड स्थापित करेगा। इस वर्ष आयोजन की विशेषता यह है कि पहली बार लक्ष्मण किला घाट को दीपोत्सव में शामिल किया गया है। यह दीपोत्सव केवल एक धार्मिक उत्सव नहीं, बल्कि भारत की सनातन संस्कृति, आध्यात्मिकता और विश्वबंधुत्व का सशक्त प्रतीक है।

सभी के लिए न्याय और सम्मान सुनिश्चित करना सच्ची प्रगति : न्यायमूर्ति सूर्यकांत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश सूर्यकांत ने शनिवार को इस बात पर जोर दिया कि सच्ची प्रगति सिर्फ सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) या आंकड़ों से नहीं मापी जा सकती, बल्कि यह इस बात पर भी निर्भर करती है कि देशभर में न्याय, सम्मान और अवसरों तक सभी को समान पहुंच उपलब्ध है या नहीं।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा कि इस संबंध में राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) की भूमिका अहम है, जो कानून और लोगों के बीच सेतु का काम करता है। नालसा के दो दिवसीय 'पूर्वी क्षेत्र क्षेत्रीय सम्मेलन' के उद्घाटन समारोह में न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा कि यह सम्मेलन बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह दर्शाता है कि यह क्षेत्र न केवल भौगोलिक रूप से सीमांत क्षेत्र है, बल्कि भारत में न्याय की पहुंच के लिहाज से भी सीमांत क्षेत्र है। उन्होंने कहा, पूर्वी क्षेत्र क्षेत्रीय सम्मेलन की पूर्व संध्या पर आयोजित यह सभा एक उद्घाटन समारोह से कहीं अधिक है। यह इस बात की पुनः पुष्टि है कि न्याय के प्रति हमारी प्रतिबद्धता वहां तक पहुंचनी चाहिए, जहां तक इसकी पहुंच अभी तक धीमी रही है : घाटियों, चाय बागानों और भारत के पूर्वी भाग के सीमावर्ती क्षेत्रों तक। न्यायमूर्ति सूर्यकांत नालसा के कार्यकारी अध्यक्ष भी हैं। आयोजकों की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा कि यह सम्मेलन एक गहरा नैतिक दृष्टिकोण प्रदर्शित करता है, जो उन असमानताओं और संरचनात्मक बाधाओं को स्वीकार करता है, जिनका भारत के पूर्वी राज्य ऐतिहासिक रूप से सामना करते आए हैं। असम राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण गुवाहाटी उच्च न्यायालय के सहयोग से इस सम्मेलन का आयोजन कर रहा है।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा कि पूर्वी और पूर्वोत्तर राज्य समृद्ध जैव विविधता, संस्कृति और परंपरा के धनी हैं, लेकिन वे प्रतिकूलताओं से भी ग्रस्त हैं, जिन पर सामूहिक रूप से ध्यान दिए जाने की जरूरत है। उन्होंने कहा, असम की चाय दुनियाभर में परोसी जाती है, बंगाल की बौद्धिक परंपराओं ने हमारे देश की आधुनिकता को आकार दिया है, बिहार की खेती-किसानी लाखों लोगों का भरण-पोषण करती है, ओडिशा के समुद्री तट हमें वैश्विक व्यापार से जोड़ते हैं और झारखंड के खनिज हमारे उद्योगों में जान फूंकते हैं। पूर्वोत्तर अपने संगीत, नृत्य और त्योहारों के साथ भारत की सांस्कृतिक धड़कन बना हुआ है।

हर लड़की के लिए समान अवसर सुनिश्चित करेगी असम सरकार: मुख्यमंत्री हिमंत

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को कहा कि उनकी सरकार हर लड़की के लिए समान अवसर सुनिश्चित करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि हर लड़की विशेष है और उसे सुरक्षित वातावरण में आगे बढ़ने का अवसर मिलना चाहिए। शर्मा ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस पर हम यह सुनिश्चित करने के अपने दृढ़ संकल्प को दोहराते हैं कि हर लड़की को सीखने, बढ़ने और आत्मविश्वास के साथ नेतृत्व करने के लिए शिक्षा, अवसर और एक सुरक्षित एवं सहायक वातावरण तक समान पहुंच मिले क्योंकि हर लड़की विशेष है।'' अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस प्रतिवर्ष 11 अक्टूबर को मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य बालिकाओं के अधिकारों, उनके सामने आने वाली विशिष्ट चुनौतियों के बारे में जागरुकता बढ़ाना तथा उनके सशक्तिकरण को बढ़ावा देना है।

हमें जल्द मणिपुर में लोकप्रिय सरकार बनने का आश्वासन मिला है : भाजपा विधायक

इंफाल/भाषा। केंद्रीय नेताओं के साथ बैठक कर शनिवार को दिल्ली से लौटे मणिपुर भाजपा के तीन विधायकों ने कहा कि उन्हें आश्वासन दिया गया है कि राज्य में जल्द ही एक लोकप्रिय सरकार बनेगी। भाजपा विधायक करम श्याम ने इंफाल हवाई अड्डे पर संवाददाताओं से कहा कि राजधानी प्रवास के दौरान उन्होंने भाजपा के पूर्वोत्तर प्रभारी संबित पात्रा और राष्ट्रीय महासचिव बीएल संतोष से मुलाकात की।

मेइती और कुकी-जो समूहों के बीच जातीय हिंसा के बाद मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने पद से इस्तीफा दे दिया था, जिसके बाद केंद्र ने मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लगा दिया था। राज्य विधानसभा को निलंबित कर दिया गया है, जिसका कार्यकाल 2027 तक है। श्याम ने कहा, ''हमें आश्वासन दिया गया है कि जल्द ही एक लोकप्रिय सरकार बनेगी। सरकार गठन के लिए कोई तय समय नहीं दी गई है, लेकिन यह नवंबर तक हो सकता है।'' एक अन्य भाजपा विधायक डॉ. सपम रंजन ने कहा कि वे केंद्रीय नेतृत्व द्वारा दिए गए आश्वासन को लेकर आशावादी हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री बीरेन सिंह और विधानसभा अध्यक्ष टीएच सत्यब्रत सहित कम से कम 26 भाजपा विधायक एक सप्ताह से अधिक समय से दिल्ली में डेरा डाले हुए हैं।

जल्दी फॉर्म में लौटेंगे शीर्षक्रम के बल्लेबाज, बस एक अच्छी पारी का इंतजार है : स्नेह राणा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

विशाखापत्तनम/भाषा। विश्व कप के पहले तीन मैचों में भारतीय शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों की नाकामी के बीच हरफनमौला स्नेह राणा ने शनिवार को कहा कि सभी बल्लेबाजों को पता है कि कहां चूक हो रही है और उस पर व्यक्तिगत तौर पर और एक टीम के रूप में काम कर रहे हैं। कप्तान हरमनप्रीत कौर, स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना और जेमिमा रौड्रिग्स तीन मैचों में क्रमशः 49, 54 और 32 रन ही बना सकीं हैं। तीनों मैचों में निचले क्रम के बल्लेबाजों ने भारत को संकट से निकाला।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ यहां बृहस्पतिवार को रिचा घोष के 94 रन के बावजूद भारत को तीन विकेट से पराजय का सामना करना पड़ा था। सात बार की चैम्पियन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ रविवार को सबसे अहम ग्रुप मुकाबले से पहले राणा ने प्रेस कांफ्रेंस में कहा, '' हमें पता है कि ऑस्ट्रेलिया सबसे मजबूत प्रतिद्वंद्वी है लेकिन हम भी सकारात्मक सोच के साथ उतरेंगे। हमने अतीत में उनके खिलाफ मैच खेले हैं और उन्हें हराया भी है। कोशिश यही रहेगी कि हम अपना सर्वश्रेष्ठ दें और जीत के साथ आगे जायें।'' टूर्नामेंट में अभी तक छह विकेट लेने के अलावा तीन पारियों में नाबाद 28, 20 और पिछले मैच में 33 रन बनाने वाली हरफनमौला ने कहा, '' सभी खिलाड़ियों को पता है कि उनसे क्या अपेक्षा है। शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों का खराब फॉर्म उतनी चिंता का विषय नहीं है। ये वही बल्लेबाज है जो अब तक अच्छा खेलते आये हैं।'' उन्होंने कहा, '' उतार चढाव खेल का हिस्सा है और हमारे पास दुनिया के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज टीम में हैं। बस एक अच्छी पारी का इंतजार है और उम्मीद है कि वे जल्दी वापसी करेंगे।'' सात बार की चैम्पियन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उनकी टीम दबाव में नहीं है। उन्होंने कहा, ''विश्व कप का दबाव अलग ही होता है और ऑस्ट्रेलिया आक्रामक क्रिकेट खेलती है हमने रणनीति बनाई है और कल उस पर अमल करने की पूरी कोशिश करेंगे। '' राणा ने कहा कि टीम को छठे गेंदबाज की जरूरत महसूस नहीं हो रही है लेकिन आखिरी ओवरों में प्रदर्शन में सुधार करना होगा। उन्होंने कहा, ''टीम प्रबंधन को देखना है कि छठे गेंदबाज को रखना है या नहीं। मुझसे पूछें तो हमारे पास शानदार गेंदबाज हैं और जरूरत पड़ने पर प्रतिका और हरमन दी भी गेंदबाजी करती हैं तो छठे गेंदबाज की कमी नहीं लग रही।''

घरेलू हालात में भारत की चुनौती काफी कठिन : हीली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

विशाखापत्तनम/भाषा। भारतीय टीम को महिला विश्व कप में कठिन चुनौती बताते हुए ऑस्ट्रेलिया की कप्तान एलिसा हीली ने कहा कि मेजबान टीम ने वनडे प्रारूप में खेलने की एक शैली बना ली है और उस पर अडिग है जो काफी प्रभावी है।

हीली ने भारत के खिलाफ रविवार को होने वाले मैच से पूर्व प्रेस कांफ्रेंस में भाषा के एक सवाल के जवाब में कहा, '' भारत और ऑस्ट्रेलिया की क्रिकेट प्रतिद्वंद्विता लगातार बेहतर हो रही है। भारत महिला क्रिकेट के मामले में बरसों तक सोये हुए शेर की तरह था लेकिन डब्ल्यूपीएल के बाद उन्हें अपनी प्रतिभा की गहराई का पता चला।''

उन्होंने कहा,'' भारत ने वनडे प्रारूप में खेलने की एक शैली अपना ली है और उस पर टिके हुए हैं जो देखना काफी प्रभावशाली बात है। घरेलू हालात में भारत की चुनौती काफी कठिन होगी। लेकिन हमें हर टीम के खिलाफ अच्छा खेलकर जीतना होगा और विश्व कप में ऐसा ही होता है। सारी टीमें अच्छी हैं।''

झारखंड में 'पर्यटन' और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए जल्द ही पहली साइंस सिटी बनेगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। जल्द ही रांची में झारखंड की पहली साइंस सिटी और जमशेदपुर व धनबाद में क्षेत्रीय विज्ञान केंद्र स्थापित किए जाएंगे, ताकि राज्य में वैज्ञानिक पर्यटन और नवाचार को बढ़ावा दिया जा सके। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने राज्य के प्रत्येक जिले में विज्ञान केंद्र स्थापित करने का भी प्रस्ताव रखा है।

झारखंड विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं नवाचार परिषद (जेसीएसटीआई) के कार्यकारी निदेशक डॉ. राज शेखर प्रसाद ने बताया कि वर्तमान में झारखंड का एक क्षेत्रीय विज्ञान केंद्र रांची में है, सरकार ने अब इसका साइंस सिटी के तौर पर उन्नयन करने का फैसला लिया है। उन्होंने कहा कि इस उद्देश्य के लिए 26 एकड़ अतिरिक्त भूमि पहले ही उपलब्ध करा दी गई है।

प्रसाद ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, रांची स्थित क्षेत्रीय विज्ञान केंद्र 17 एकड़ भूमि पर फैला हुआ है। साइंस सिटी एक बड़ी परियोजना है, और प्रत्येक राज्य में केवल एक ही स्थापित की जाती है। इसलिए, क्षेत्रीय विज्ञान केंद्र को साइंस सिटी में उन्नत करने के लिए अतिरिक्त भूमि की आवश्यकता थी। रांची प्रशासन ने क्षेत्रीय केंद्र से सटी 26 एकड़ भूमि आवंटित की है।

बिहार विधानसभा चुनाव नहीं लड़ना चाहता : भोजपुरी फिल्म अभिनेता पवन सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। भोजपुरी फिल्मों के मशहूर अभिनेता पवन सिंह ने शनिवार को घोषणा की कि वह बिहार विधानसभा चुनाव नहीं लड़ेंगे, बल्कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक ''सिपाही'' के रूप में पार्टी के साथ जुड़े रहेंगे।

सिंह का यह बयान ऐसे समय आया है जब ऐसी अटकलें थीं कि पवन सिंह भोजपुर जिले की सात विधानसभा सीटों में से किसी एक विशेषकर आरा या बड़हरा से भाजपा प्रत्याशी के रूप में चुनाव मैदान में उतर सकते हैं। हाल ही में उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और राष्ट्रीय लोक मोर्चा के प्रमुख तथा राज्यसभा सदस्य उपेंद्र कुशवाहा से मुलाकात की थी जिसके बाद अटकलों को बल मिला था। पवन सिंह ने पोस्ट में कहा, ''मैं, पवन सिंह, अपने भोजपुरी समाज को यह जानकारी देना चाहता हूं कि मैं विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए पार्टी (भाजपा) में शामिल नहीं हुआ था और न ही मैं चुनाव लड़ना चाहता हूं। मैं पार्टी का एक सच्चा सिपाही हूं और आगे भी रहूंगा।'' उन्होंने अपने पोस्ट में अमित शाह के साथ अपनी एक तस्वीर भी साझा की।

ओडिशा की मेडिकल छात्रा के साथ पश्चिम बंगाल में सामूहिक बलात्कार

कोलकाता/भाषा। ओडिशा की मेडिकल की छात्रा के साथ पश्चिम बंगाल के पश्चिम बर्धमान जिले में अज्ञात लोगों ने कथित तौर पर बलात्कार किया। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी।

छात्रा के परिवार के सदस्यों ने बताया कि यह घटना शुक्रवार रात दुर्गापुर स्थित निजी मेडिकल कॉलेज परिसर के बाहर हुई। उन्होंने बताया कि द्वितीय वर्ष की छात्रा अपने एक दोस्त के साथ रात का भोजन करने के लिए बाहर गई थी, तभी यह घटना हुई।

पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि ओडिशा के जलेश्वर की रहने वाली मेडिकल छात्रा का नजदीकी अस्पताल में उपचार किया जा रहा है।

उन्होंने कहा, छात्रा के परिजन की शिकायत के आधार पर हमने जांच शुरू कर दी है।

शुभमन गिल के शतक से भारत का विशाल स्कोर, वेस्टइंडीज की खराब शुरुआत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कप्तान शुभमन गिल के करियर के दसवें टेस्ट शतक की मदद से भारत ने दूसरे और अंतिम टेस्ट क्रिकेट मैच की अपनी पहली पारी में विशाल स्कोर बनाया जिसके जवाब में वेस्टइंडीज ने दूसरे दिन शनिवार को यहां चाय के विश्राम तक अपनी पहली पारी में एक विकेट पर 26 रन बनाए।

भारत ने इससे पहले अपनी पहली पारी पांच विकेट पर 518 रन पर समाप्त घोषित की। इस तरह से वेस्टइंडीज अभी भारत से 492 रन पीछे है। चाय के विश्राम के समय तेगनारायण चंद्रपाल 13 रन और एलिस अथांजे दो रन पर खेल रहे थे। भारत को एकमात्र सफलता रविंद्र जडेजा ने दिलाई है।

सलामी बल्लेबाज जॉन कैंपबेल जडेजा की गेंद पर लगाए गए अपने ज़ोरदार स्वीप शॉट के साई सुदर्शन के हाथों में चिपक जाने से पवेलियन लौटे। सुदर्शन ने खुद को बचाने की कोशिश की। गेंद उनके दाहिने हाथ पर लगी और वहीं पर ठहर गई जिससे बल्लेबाज भी हैरान रह गया। भारत की पारी के

आकर्षण यशस्वी जायसवाल (258 गेंदों पर 175 रन) और कप्तान शुभमन गिल (196 गेंदों पर नाबाद 129 रन) के शतक रहे। इन दोनों के अलावा साई सुदर्शन (87) ने अर्धशतक बनाया। वेस्टइंडीज की ओर से बाएं हाथ के स्पिनर जोमेल वारिकन (98 रन देकर तीन विकेट) सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज रहे। गिल ने भारत की पहली पारी तब समाप्त घोषित कर दी जब ध्रुव जुरेल (79 गेंदों पर 44 रन) रोस्टन चेज की गेंद पर पुल करने की कोशिश में बोल्ड हो गए। गिल के पास दोहरा शतक पूरा करने के लिए पर्याप्त समय था, लेकिन कमजोर गेंदबाजी आक्रमण के सामने बड़ी पारी खेलना ज्यादा मायने नहीं रखता। दूसरे सत्र में लगभग एक घंटा बीत चुका था और गिल को ड्रेसिंग रूम से संकेत मिला कि अब मेहमान टीम को बल्लेबाजी के लिए मैदान पर उतारने का समय आ गया है। कप्तान ने 196 गेंदों का सामना करते हुए 16 चौके और दो छक्के लगाए और जुरेल के साथ पांचवें विकेट के लिए 102 रन जोड़े, जिन्होंने लंच के बाद तेज़ी से रन बनाने का फैसला किया। भारत ने दूसरे दिन 44.2 ओवर बल्लेबाजी की और कल के स्कोर दो विकेट पर 318 रन में 200 रन जोड़े।

न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू सरजमीं पर मिली शिकस्त को कभी नहीं भूल सकता : गौतम गंभीर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पिछले साल न्यूजीलैंड के हाथों घरेलू मैदान पर मिली 0-3 की हार आज भी भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर को कचोटती है और वह नहीं चाहते कि उनके खिलाड़ी भविष्य की तैयारी करते हुए टेस्ट मैचों में मिली उस करारी शिकस्त हार को भूल जाएं। यह घरेलू सरजमीं पर 12 साल में भारत की टेस्ट श्रृंखला में पहली हार थी।

गंभीर ने 'जियोहॉटस्टार' से कहा, '' मैं अगर ईमानदारी से और दिल से कहूं, तो मुझे नहीं लगता कि अपने कोचिंग कार्यकाल में मैं इसे कभी भूल पाऊँगा। मुझे इसे भूलना भी नहीं चाहिए। मैंने खिलाड़ियों से भी यही कहा है कि आगे देखना जरूरी है, लेकिन कभी-कभी अतीत को याद रखना भी ज़रूरी होता है।'' इस पूर्व सलामी बल्लेबाज ने कहा, ''सबने सोचा था कि हम न्यूजीलैंड को हरा देंगे। ड्रेसिंग रूम में हमें बार-बार याद दिलाना होगा कि न्यूजीलैंड के खिलाफ क्या हुआ था।'' उस श्रृंखला में सूपड़ा साफ होने से भारत के लगातार तीसरे विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल (डब्ल्यूटीसी) में खेलने की संभावनाओं को बड़ा झटका लगा था। भारत इसके बाद ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उसकी सरजमीं पर हुई श्रृंखला में हार के बाद डब्ल्यूटीसी फाइनल की दौड़ से बाहर हो गया था।

ऑस्ट्रेलिया दौरे की यह श्रृंखला दिग्गज रोहित शर्मा, विराट कोहली और रविचंद्रन अश्विन जैसे दिग्गज खिलाड़ियों के लिए आखिरी श्रृंखला साबित हुई। अश्विन ने इस श्रृंखला के दौरान जबकि रोहित और कोहली ने इसके बाद खेल के लंबे प्रारूप को अलविदा कह दिया।

सुविचार

जो लोग रातों में भी ख्वाब नहीं, काम करने में यकीन रखते हैं वही इतिहास बनाते हैं!

ट्वीट

केंद्रीय मंत्रालय में मेरे अनन्य सहयोगी रहे मध्यप्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री परम मित्र श्री प्रहलाद सिंह पटेल जी मातृ शोक में हैं। आज गोटेगांव (नरसिंहपुर) में उनके निवास जाकर गंगापूजन श्रद्धांजलि कार्यक्रम में उनकी पूजनीय माताजी को श्रद्धासुमन अर्पित किए।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

करीब एक महीने तक जीएसटी कमी से महंगाई में कमी का जश्न मनाकर राजस्थान की जनता को दीपावली पर महंगाई का झटका देते हुए भाजपा सरकार ने 1 अक्टूबर से घरेलू बिजली महंगी कर दी है। अब बिजली का बिल लगभग 15% बढ़ जाएगा।

-अशोक गहलोत

कहानी

महेन्द्र तिवारी
मोबाइल: 9989703240

सिसकियाँ

आज भी, जब तन्हाइयों में खो जाती हूँ तो लगता है मानो मैं किसी पुरानी बस की खिड़की से बाहर झाँक रही हूँ – पीछे छूटते धूल उड़ाती पगडंडियाँ, किनारे पर खड़े जामुन के पेड़ों की कतारें, और कस्बे के उस छोटे से स्कूल की ठंडी दीवारें। मेरा संसार वहीं सिमटा हुआ था। मेरी दुनिया में एक खलिश थी – मैं साँवली थी, पर मेरे नयन-नक्श कुछ ऐसे ईश्वरीय देन थे कि लोग मुझे सहज ही स्नेह दिया करते थे।

पिता नौकरी के सिलसिले में अक्सर बाहर रहते थे। माँ के साथ हम बच्चे गाँव में ही रहते थे। पाँच भाई-बहनों में मैं सबसे बड़ी थी। इस नाते मुझे घर में एक अलग स्थान मिला था, ज़िम्मेदारी और थोड़ी इज़्ज़त दोनों। लेकिन माँ का स्वभाव बहुत सख़्त था। वो हर छोटी-बड़ी बात पर पैनी नज़र रखतीं और किसी पर जल्दी विश्वास नहीं करतीं। मुझे पढ़ने-लिखने की पूरी छूट उन्होंने दी थी, लेकिन उस स्वतंत्रता पर एक अदृश्य जंजीर भी कस दी थी- जरा संभल कर रहना, लड़की को फिसलते देर नहीं लगती।

उस वक़्त हमारी उम्र वही थी जब सपने आकार लेते हैं, मन हर ओर भटकता है और दिल को शब्दों से ज़्यादा एहसास समझ में आने लगते हैं। कहते हैं लड़कियाँ जल्द ही जवान हो जाती हैं। लेकिन गांव में काफी संभलकर रहना पड़ता है। वैसे मेरी कई दोस्त काफी चालू थीं, उन्होंने वह सब अनुभव कर लिया था जो शादी के बाद ही नसीब होता है। मैं तब हाई स्कूल में थी। इसी दौरान हमारे स्कूल में एक नए अध्यापक आए-नीरज सर। वो गणित और विज्ञान पढ़ाते थे। उनकी शख़्सियत में कुछ ऐसा था कि हर किसी की नज़र उन पर टिक जाती। संयमित, पढ़े-लिखे और सादगी से भरे इंसान। हम लड़कियों के बीच उनका अपना एक अलग ही क्रेज़ था। कई सहेलियाँ उन्हें मज़ाक में जीजाजी कहतीं क्योंकि उनके किसी मित्र की साली भी हमारे ही क्लास में थी। पर मैंने उन्हें हमेशा भैया ही कहा। शायद इसलिए कि मेरे जीवन में कोई ऐसा दोस्त नहीं था जिससे मैं दिल की बात कह सकूँ। भैया कह देने से एक सुरक्षा-सा घेरा बन जाता था, एक मर्यादा कायम रहती थी।

हम अक्सर बस में स्कूल से घर लौटते वक़्त मिलते। उनके हाथ में हमेशा कुछ किताबें होतीं थीं। एक दिन हिम्मत कर मैंने उनसे एक किताब माँग ली। बिना कोई सवाल पूछे उन्होंने किताब थमा दी। फिर धीरे-धीरे ये सिलसिला बढ़ा। और एक दिन हिम्मत करके मैंने किताब में एक चिट्ठी डाल दी।

भैया जी, सदर प्रणाम।

मुझे नहीं पता क्यों, पर आपमें मुझे अपने बड़े भाई का अक्स दिखाई देता है। मेरा एक छोटा भाई है, पर बड़ा भाई जैसा साया आपसे मिलने पर ही महसूस होता है। आपसे मिलकर वह खालीपन कुछ हद तक भर जाता है।

आपकी बहन, सुमन। उस दिन उन्होंने जो किताब लौटाई, उसमें कोई जवाब नहीं था। बस एक छोटी सी मुस्कान थी और उस मुस्कान में एक मौन स्वीकार। फिर अगली किताब में उनका जवाब आया। और यूँ किताबों के साथ चिट्ठियों का सिलसिला चल निकला।

हमने कभी कोई सीमा नहीं लांघी। हमारे शब्दों का रिश्ता सीमाओं के भीतर था, पर उन सीमाओं के भीतर भी एक गहरी नदी बहती थी। जब कभी किताबें लेते-देते हमारी उंगलियां छू जातीं, एक हल्की सी सुरसुरी दौड़ जाती शरीर में। किशोर उम्र काफी नाजुक होता है। अगर समाज का बंधन और अंकुश ना हो तो पता नहीं क्या बवंडर हो जाये। लेकिन हमारे रिश्ते का स्वरूप भाई-बहन का ही था। यही मर्यादा हमें भटकने से रोकती।

उस दौर में न मोबाइल था, न खुला माहौल। लड़का-लड़की की दोस्ती समाज के लिए शंका का विषय थी। इसलिए चिट्ठियाँ ही हमारी दुनिया थीं और डर हमारा पहरेदार। डर कि कहीं माँ को भनक न लग जाए, कहीं समाज इसे गलत अर्थों में न ले ले।

फिर मेरी दसवीं बोर्ड के इम्तिहान सर पर आ गए। पढ़ाई में मन लगाना कठिन था, पर ज़रूरी भी था। उन दिनों उन्होंने मेरा हौसला बहुत बढ़ाया। उनकी चिट्ठियाँ मेरे लिए सहारा बनीं। हर पत्र में कोई प्रेरणादायक उद्धरण- कभी तुलसीदास, कभी प्रेमचंद, कभी विवेकानंद। उन शब्दों में मुझे मार्गदर्शन, दोस्ती और अपनापन सब कुछ मिलता।

और अब हम अंतर्देशीय से पत्र व्यवहार करने लगे थे। मैंने एक सुझाव दिया- भैया, आप चिट्ठी ऐसे लिखिए जैसे कोई लड़की अपनी सहेली को लिख रही हो। अंत में मेरी सहेली का नाम डाल दीजिए और भेजने वाले के पते में भी उसी का नाम लिख दीजिए। माँ बहुत शक्की हैं, कहीं उन्हें पता न चल जाए।

वो मान गए। और हमारी दुनिया और भी छुपकर चलने लगी। यह इसलिए भी जरूरी था क्योंकि मेरी माँ बहुत शक्की किस्म की औरत थी और उन्हें हर बात की भनक लग जाती थी।

परीक्षा के दिनों में मैंने उन्हें सेंटर पर बुलाया। वो आए भी। माँ से मिलवाते समय मैंने कहा, ये मेरे एक दोस्त के भाई हैं, पढ़ाई में मदद करते हैं।माँ ने संदेह से पूछा-आप मेरी बेटी को कैसे जानते हैं?

उन्होंने शांत भाव से उत्तर दिया-मैं इसे अपनी बहन मानता हूँ। पढ़ाई में मदद करता हूँ।

माँ का चेहरा कठोर हो गया। उनकी आँखों में शंका के बादल घिरने लगे। उस रात माँ ने मुझे चेतावनी दी-

ऐसे रिश्ते समाज में इज़्ज़त नहीं पाते। मुंहबोले भाई का कोई मतलब नहीं होता। जब तेरे बाबा को पता चलेगा तो तू जानती है क्या होगा। अब से उससे मिलना बंद कर दे।

मैं नि:शब्द थी। भीतर जैसे कोई दीवार ढह रही थी। अगले दिन उनकी लौटाई किताब में कोई चिट्ठी नहीं थी-बस एक पंक्ति लिखी थी- रिश्तों का अंत अगर इज़्ज़त बचा ले, तो उसे त्याग कहा जाता है, हार नहीं।

इसके बाद सब बदल गया। जल्दी ही मेरी शादी तय कर दी गई। एक अच्छे घर में, एक अच्छे आदमी के साथ। ज़िंदगी में सब कुछ था – इज़्ज़त, सुविधा, बच्चों की किलकारी। मैंने एक आदर्श पत्नी और माँ का जीवन जिया। समाज की नज़रों में, मेरी कहानी सफल थी।

लेकिन उन किताबों में दबी चिट्ठियों की खुशबू अब भी मेरे जीवन की किसी अलमारी में छुपी थी। शायद वो प्यार नहीं था। शायद मोह भी नहीं। वो एक अद्भुत भ्रम था, जो किशोर मन की नमी में उग आया था। लेकिन भ्रम भी अगर इतना सच्चा हो, तो जीवनभर की अविस्मरणीय स्मृति बन जाता है।

कुछ रिश्ते ऐसे होते हैं जिन्हें हम खुले में जी नहीं पाते क्योंकि सच्चे रिश्ते भी समाज की निगाहों में झूठे बन जाते हैं, सिर्फ इसलिए क्योंकि उन रिश्तों को इजाजत नहीं मिल पाती।अब जब भी मैं कभी अपनी आलमारी सहेजती हूँ, तो अनायास हमारी चिट्ठियाँ मिल जाती हैं। मैं मुस्कुरा देती हूँ क्योंकि कुछ रिश्ते भले ही समय की रेत में दब जाएं, लेकिन उनकी छाप दिल की किताबों में हमेशा के लिए दफ़न होकर भी सिसकियाँ जीवित रह जातीं हैं।

संजय उवाच

संजय भारद्वाज
9890122603
writersanjay@gmail.com

समानुभूति

एक जिज्ञासु ने प्रश्न किया, पिछली बार आपने कहा था कि तुम और वह अलग नहीं हैं। जो खुद के लिए चाहते हो, वही दूसरों को देना आना चाहिए। लेकिन दूसरे से लेते समय यह भाव कैसे जग सकता है? ....प्रश्न कितना ही जटिल हो, उत्तर सदा सरल होता है। सरलता समग्रता से उपजती है। अध्ययन, चिंतन, दृष्टिकोण एवं भाव समग्रता के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। समानुभूति की बात भी कुछ ऐसी ही है। वस्तुत: समानुभूति एकांगी हो ही नहीं सकती। जो अपने लिए वांछित, वही दूसरे के लिए इच्छित, सिक्के का एक पहलू है। दूसरे से लेना हो तो उसमें 'मैं' की स्थापना करना, दूसरा पहलू है।

....कुछ-कुछ समझ में आ रहा है पर दूसरे में 'मैं' की स्थापना कैसे हो सकती है? कोई उदाहरण दें तो स्पष्टीकरण का आनंद आये।

...चलो, कुछ वर्ष पूर्व की एक घटना सुनाते हैं। यह घटना ही तुम्हारी जिज्ञासा का सरल समाधान है।.... हुआ यूँ कि उत्तराखंड के चार धाम की यात्रा करने की इच्छा परिवार बहुत समय से प्रकट कर रहा था। अंतत: बद्रीविशाल, केदारनाथ जी, गंगोत्री व यमुनोत्री के दर्शन का योग आ पहुँचा।

...हम सकुटुम्ब हरिद्वार पहुँचे। माँ गंगा का प्रत्यक्ष आशीष पानेवाली इस छोटी-सी नगरी ने प्रथम दर्शन में ही मन तृप्त कर दिया। हरि तक पहुँचने की योग्यता तो जाने किस जन्म में आयेगी पर हरि तक ले जानेवाले द्वार को माथा नवाने का सौभाग्य मिल रहा था। साथ के एक परिजन यहाँ आते रहते थे, सो उन्होंने स्टेशन के पास ही एक अच्छी होटल में रुकने की व्यवस्था कर दी थी। स्टेशन वाली मुख्य सड़क सीधे हरकी पैड़ी या हरि की पौड़ी जाती है। इसके अलावा उस दिशा में किसी गली की कोई राह पकड़ लें, गंतव्य हरि की पौड़ी ही है। संकेत स्पष्ट है, जीवन को ऐसी दिशा में मोड़ो कि हर मार्ग हरि की पौड़ी की ओर ले जाए।... हरि की पौड़ी अर्थात साक्षात नारायण के चरण। हरि की पौड़ी तक पहुँचना और पौड़ी को पा लेना दो अलग बातें हैं। जिसने पौड़ी पा ली, वह लख चौरासी से मुक्त हुआ।

.....लख चौरासी से रोज़ाना तीन बार भोजन मांगनेवाले पेट की परिक्रमा तक आते हैं। संध्या समय एक ढाबे में गर्मागर्म भोजन किया। रोटियाँ गर्म सेंककर घी लगाकर दी जा रही थीं। बड़े शहरों में रहनेवाले हम लोगों के लिए महज साठ रुपये में उपलब्ध यह भोजन सुखद आश्चर्य ही था।

....भोजनोपरांत परिवार होटल लौट गया। दृश्य और अदृश्य के अवलोकन की आदतवश मैं सड़क किनारे चहलकदमी करने लगा। स्टेशन तक गया। लौटकर उसी ढाबे के निकट आया था कि सामने से साईं का भेष धरे एक साधु आते दिखे। सीधे मेरे पास आये, प्रेम से पूछा, 'बेटा भोजन कराओगे?'... कुछ देर पहले वहाँ के भोजन का आस्वाद लिया ही था, अत: मैंने सहज भाव से उसी ढाबे में उनसे आसन ग्रहण करने के लिये कहा। वे बोले, 'अरे नहीं बेटा। यहाँ तो भोजन बहुत महंगा है। मैं उधर सामने भोजन करूँगा।' मैंने दृष्टि दौड़ाई। सड़क के दूसरी ओर कुछ ठेलेवाले भोजनालय खोले खड़े थे। तीस रुपये में भोजन का बोर्ड भी लगा था। मैं कुछ कह पाता, उससे पहले बाबा सड़क पार एक ठेले के पास रखे स्टूल पर जाकर बैठ गये। मैंने ठेलेवाले को रुपये दिये। बाबा को नमन किया और चुपचाप चला आया।

.....दूसरे से लेना हो तो उसमें 'मैं' की स्थापना करना मैंने उसी दिन सीख लिया।...अब बारी तुम्हारी है।

दिनेश विजयवर्गीय
मोबाइल 9413128514

उपहार

सोमदत्त एक सरकारी कार्यालय में अधिकारी है और उनकी पत्नी रचना कॉलेज शिक्षा में अंग्रेजी की व्याख्याता। रोज की तरह निर्मला उनके घर से नाश्ता, खाना बना और अपने हिस्से के काम निपटा कर जाने लगी तो मैडम रचना ने उसे बनारसी साड़ी देते हुए कहा-'इस पर प्रेस करवा लाना, शाम को पार्टी में जाना है।'

साड़ी देख निर्मला बोली 'अरे वाह! कितनी खूब-सुन्दर मन भावन साड़ी है। इस साड़ी में जब आप सर के साथ पार्टी में जायेंगी तो बस सबकी निगाहें इस साड़ी पर ही टिकी रहेंगी। आपकी कई परिचित तो इस बनारसी साड़ी के बारे कई प्रश्न करती रहेंगी और वह भी कहेगी-वाह! क्या गजब साड़ी है।'

'अच्छा चल जा। बातें बहुत बनाना आ गया तुझे। सुन प्रेस अच्छे से करवाना और शाम को समय पर ले आना। रचना ने अपनी कीमती और आकर्षक साड़ी की प्रशंसा सुनते हुए निर्मला से कहा।

निर्मला ने घर पहुंच कर अपनी युवा बेटी अवनि जो पिछले दिनों ही प्रदेश की लोकसेवा आयोग से प्रशासनिक अधिकारी के लिए इन्टरव्यू देकर आई थी से कहा-'बिटिया, तुम्हें अभी कहीं जाना है क्या?'

'हां मम्मी, मेरी सहेली के यहां सुबह से दो बार एक घंटे में लौट आऊंगी। वह स्कूटी से जाने को हुई तो निर्मला ने उसे मैडम की बनारसी साड़ी देते हुए कहा कि बाजार से इस पर धोबी की दुकान से प्रेस करवा लाना। उन्हें शाम को इसे पहिन कर पार्टी में जाना है।'

साड़ी देख वह भी प्रशंसा करने लगी। उसने साड़ी और अपना पर्स दोनों को स्कूटी की डिग्गी में रख सहेली के घर की ओर बढ़ गई। वह स्कूटी सहेली के घर के बाहर खड़ी कर अन्दर चली गई। आधा घंटे बातचीत कर उसने फिर स्कूटी से बाजार की ओर रुख किया।चौराहे के पास प्रेस वाले की दुकान आते ही उसने देखा एक महिला कपड़ों पर प्रेस कर रही हैं उसने साड़ी निकालने के लिये डिग्गी खोली तो उसकी आंखे फटी की फटी रह गई। डिग्गी में न साड़ी थी और पर्स। उसके तो होश ही उड़ गये। उसने इधर उधर देखा और फिर अपनी सहेली के घर पहुंची। पर वहां भी कहीं नजर नहीं आई। किसी ने मौका देख डिग्गी खोल चुरा ली।

अवनि निराश और दुखी होकर वह घर पर आई और दुखी मन से सुस्त हो बैठ गई। मां ने पूछा-'करा लाई प्रेस ?''मां गजब हो गया। मैं सहेली के घर गई हुई थी तो पीछे से बाहर खड़ी स्कूटी की डिग्गी से किसी ने साड़ी और पर्स दोनों चुरा लिए।'

'हे भगवान! अब मैं किस मुंह से मैडम के यहां जाऊंगी ? उन्हें क्या कुछ कहूंगी ? कैसे उनके दुख भरे क्रोध को सहूंगी ? पता नहीं क्या कुछ सुनना पड़ेगा। हो सकता है वह काम से भी छुटटी कर दे। वह यही सब सोचती रही। शाम को निर्मला घर पहुंची तो उसे खाली हाथ देख मैडम ने पूछा-'कहां है साड़ी?'

'मैडम ! शब्द मुंह से निकाल वह रुक सी गई आंखों में आंसू बहाती बोली – उसे बिटिया की स्कूटी की डिग्गी में से किसी ने वह साड़ी और उसका पर्स चुरा लिया। उसने खूब तलाशा पर कहीं भी कुछ हाथ नहीं लगा।'

गुस्सा हुई मैडम ने उसे खूब जली कुटी बातें सुना घर जाने को कह दिया। इधर दुखी मन से रचना इस अनहोनी घटना पर सोचती रही। घड़ी देखी पार्टी में जाने का समय निकट था। वह तैयार होने लगी। उसने दूसरी बनारसी साड़ी पहनी और आईने के पास खड़ी हो निहारने लगी। फिर मन ही मन अपने आकर्षक रंग रूप और साड़ी पर खुश होती रही।

दूसरे दिन निर्मला, मैडम के यहां रोज की तरह काम में जुट गई। अब मैडम के चेहरे पर कल की तरह क्रोधित भाव नहीं था। वह अपना काम निपटा चली गई। धीरे धीरे सब कुछ पहले की तरह सहज हो गया।

एक माह बीता होगा कि निर्मला की बेटी अवनि का लोक सेवा आयोग से आये परिणाम में वह पास हो गई। प्रशासनिक अधिकारी में चयन हो गया। कुछ समय बाद वह पास के ही बड़े कस्बे में नियुक्त हो गई। अब उसे हजारों रूपये वेतन मिलने लगा। उसने अब अपनी मम्मी को रचना मैडम के यहां काम करने से रोक दिया।दो माह बाद एक दिन सोमदत्त सर और रचना मैडम की मैरिज एनीवर्सरी आई। होटल के लॉन में एक संक्षिप्त समारोह रखा। जिसमें निर्मला और अवनि को भी आमन्त्रित किया गया। होटल की जगमग रोशनी में आयोजित समारोह में कई पुरुष महिलाएं उपहार साथ में लाये उन्हें भेंट करते जा रहे थे। अवनि भी मैडम के लिए एक कीमती उपहार लेकर आई थी जिसे उसने मुस्कराते हुए स्वीकार किया।मैडम दूसरे दिन जब आये हुए उपहारों को खोल कर देखने लगी तो अवनि का उपहार देख आश्चर्य चकित रह गई। बिल्कुल उससे बहुत कुछ मिलती जुलती बनारसी साड़ी थी। शायद चोरी हुई साड़ी से भी अधिक आकर्षक। साड़ी को देख उसके मुंह से निकल गया। अरे वाह! क्या खूबसूरत साड़ी है। वह अवनि की दी गई इस नई बनारसी साड़ी को देर तक देखती रही।

बोध कथा

वंश की रक्षा

किसी पर्वत प्रदेश में मन्दविष नाम का एक वृद्ध सर्प रहा करता था। एक दिन वह विचार करने लगा कि ऐसा क्या उपाय हो सकता है, जिससे बिना परिश्रम किए ही उसकी आजीविका चलती रहे। उसके मन में तब एक विचार आया। वह समीप के मेंढकों से भरे तालाब के पास चला गया। वहां पहुँचकर वह बड़ी बेचैनी से इधर-उधर घूमने लगा। उसे इस प्रकार घूमते देखकर तालाब के किनारे एक पत्थर पर बैठे मेंढक को आश्चर्य हुआ तो उसने पूछा, मामा! आज क्या बात है? शाम हो गई है, किन्तु तुम भोजन-पानी की व्यवस्था नहीं कर रहे हो? सर्प बड़े दुःखी मन से कहने लगा, बेटे! क्या करूं, मुझे तो अब भोजन की अभिलाषा ही नहीं रह गई है। आज बड़े सवेरे ही मैं भोजन की खोज में निकल पड़ा था। एक सरोवर के तट पर मैंने एक मेंढक को देखा। मैं उसको पकड़ने की सोच ही रहा था कि उसने मुझे देख लिया। समीप ही कुछ ब्राह्मण स्वाध्याय में लीन थे, वह उनके मध्य जाकर कहीं छिप गया। उसको तो मैंने फिर देखा नहीं। किन्तु उसके भ्रम में मैंने एक ब्राह्मण के पुत्र के अंगूठे को काट लिया। उससे उसकी तत्काल मृत्यु हो गई। उसके पिता को इसका बड़ा दुःख हुआ और उस शोकाकुल पिता ने मुझे शाप देते हुए कहा,

दुष्ट! तुमने मेरे पुत्र को बिना किसी अपराध के काटा है, अपने इस अपराध के कारण तुमको मेंढकों का वाहन बनना पड़ेगा। बस, तुम लोगों के वाहन बनने के उद्देश्य से ही मैं यहां तुम लोगों के पास आया हूं। मेंढक सर्प से यह बात सुनकर अपने परिजनों के पास गया और उनको भी उसने सर्प की वह बात सुना दी। इस प्रकार एक से दूसरे और दूसरे से तीसरे कानों में जाती हुई यह बात सब मेंढकों तक पहुँच गई। उनके राजा जलपाद को भी इसका समाचार मिला। उसको यह सुनकर बड़ा आश्चर्य हुआ। सबसे पहले वही सर्प के पास जाकर उसके फन पर चढ़ गया। उसे चढ़ा हुआ देखकर अन्य सभी मेंढक उसकी पीठ पर चढ़ गए। सर्प ने किसी को कुछ नहीं कहा। मन्दविष ने उन्हें भांति-भांति के करतब दिखाए। सर्प की कोमल त्वचा के स्पर्श को पाकर जलपाद तो बहुत ही प्रसन्न हुआ। इस प्रकार एक दिन निकल गया। दूसरे दिन जब वह उनको बैठाकर चला तो उससे चला नहीं गया। उसको देखकर जलपाद ने पूछा, क्या बात है, आज आप चल नहीं पा रहे हैं? हां, मैं आज भूखा हूं इसलिए चलने में कठिनाई हो रही है। जलपाद बोला, ऐसी क्या बात है। आप साधारण कोटि के छोटे-मोटे मेंढकों को खा लिया कीजिए।

इस प्रकार वह सर्प नित्यप्रति बिना किसी परिश्रम के अपना भोजन पा गया। किन्तु वह जलपाद यह भी नहीं समझ पाया कि अपने क्षणिक सुख के लिए वह अपने वंश का नाश करने का भागी बन रहा है। सभी मेंढकों को खाने के बाद सर्प ने एक दिन जलपाद को भी खा लिया। इस तरह मेंढकों का समूचा वंश ही नष्ट हो गया।

वीर गाथा

सूबेदार संजीव सिंह जसरोटिया: एलओसी पर चक्रव्यूह रचकर किया खूंखार आतंकवादी का खात्मा

सूबेदार संजीव सिंह जसरोटिया का जन्म जम्मू-कश्मीर में कठुआ के डोगरा राजपूत परिवार में हुआ था। माता चिंतापूर्णी और पिता राजबीर सिंह जसरोटिया के बहादुर बेटे संजीव जम्मू-कश्मीर राइफल्स की 5वीं बटालियन के योद्धा हैं।

16 सितंबर, 2023 को आतंकवादियों के खिलाफ एक अभियान के दौरान संजीव बारामूला जिले में तैनात थे। उन्हें नियंत्रण रेखा पर कार्रवाई करने वाले दल के कमांडर की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। सेना को खुफिया सूत्रों से सूचना मिली थी कि कुछ आतंकवादी घुसपैठ की कोशिश कर सकते हैं।

सूबेदार संजीव ने इसके आधार पर ऐसी योजना बनाई कि आतंकवादियों को एक खास क्षेत्र में आने दिया जाए, उसके बाद उन पर अचानक धावा बोला जाए। उन्होंने ऐसा ही किया। जब आतंकवादी उनके निशाने पर आ गए तो गोलीबारी की गई।

सूबेदार संजीव ने अपने जवानों को आदेश दिया कि वे घेरा बना लें, ताकि आतंकवादियों को बचकर निकलने का मौका ही न मिले। इससे बौखलाए आतंकवादियों ने जवानों की ओर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी थी।

यह देखकर सूबेदार संजीव रेंगते हुए एक नाले की ओर गए। उन्होंने अपनी राइफल से एक आतंकवादी को निशाने पर लिया और उसे वहीं ढेर कर दिया। इससे आतंकवादियों में भगदड़ मच गई थी। जब दो आतंकवादी अपनी जान बचाकर भागने लगे तो संजीव ने उन्हें बुरी तरह घायल कर दिया था।

इस अभियान में अदम्य साहस, असाधारण वीरता और उत्कृष्ट नेतृत्व के लिए सूबेदार संजीव सिंह जसरोटिया को 'शौर्य चक्र' से सम्मानित किया गया।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता। – दक्षिण भारत राष्ट्रमत

प्रेस वार्ता

भारतीय तीरंदाजी संघ के अध्यक्ष अर्जुन मुंडा, दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा, अभिनेता राम चरण और तीरंदाज, नई दिल्ली में तीरंदाजी प्रीमियर लीग 2025 के लिए आयोजित एक प्रेस वार्ता के दौरान।

अमेरिकी स्टार्टअप 'मांग पर सूरज की रोशनी' पहुंचाने की योजना बना रहा

मेलबर्न। अमेरिका का एक स्टार्टअप उपग्रहों के एक प्रस्तावित समूह के जरिये ''मांग आधारित सूर्य का प्रकाश'' उत्पन्न करने की योजना पर काम कर रहा है, जिसके लिए दर्पणों का उपयोग किया जाएगा जो सूर्य की रोशनी को पृथ्वी पर भेजेंगे। इसकी शुरुआत 18 मीटर के परीक्षण उपग्रह, इयरेंडिल-1 से करने की योजना है, जिसे 2026 में प्रक्षेपित करने के लिए कंपनी ने आवेदन किया है। नवीनतम रिपोर्टों के अनुसार, इसके बाद 2030 तक लगभग 4,000 उपग्रह कक्षा में स्थापित किए जाएंगे।

जिस तरह आप सूर्य की रोशनी को परावर्तित करके प्रकाश का एक बिंदु बनाते हैं, उसी तरह रिफ्लेक्ट ऑर्बिटल के उपग्रह पृथ्वी के एक हिस्से पर प्रकाश की किरण करने के लिए दर्पणों का उपयोग करेंगे। लेकिन इसमें शामिल पैमाना बहुत अलग है। रिफ्लेक्ट ऑर्बिटल के उपग्रह जमीन से लगभग 625 किमी ऊपर परिक्रमा करेंगे, और अंततः उनके दर्पण 54 मीटर चौड़े होंगे। जब आप अपनी घड़ी से प्रकाश को पास की दीवार पर परावर्तित करते हैं, तो प्रकाश का बिंदु बहुत चमकीला हो सकता है। लेकिन अगर आप इसे दूर की दीवार पर परावर्तित करते हैं, तो वह बिंदु बड़ा और धुंधला हो जाता है। ऐसा इसलिए है कि सूर्य के प्रकाश का एक बिंदु नहीं है, बल्कि आकाश में आधा डिग्री के कोण पर फैला हुआ है। इसका मतलब है कि लंबी दूरी पर, एक सपाट दर्पण से परावर्तित सूर्य की किरण आधे डिग्री के कोण पर फैलती है।

व्यवहार में इसका क्या अर्थ है? आइए लगभग 800 किलोमीटर की दूरी से सूर्य के प्रकाश को परावर्तित करने वाले एक उपग्रह का उदाहरण लें - क्योंकि 625 किमी की ऊंचाई पर स्थित उपग्रह हमेशा सीधे ऊपर नहीं होगा, बल्कि एक कोण पर सूर्य के प्रकाश को किरणित करेगा। रोशन जमीन का वह भाग कम से कम सात किमी चौड़ा होगा। यहां तक कि एक घुमावदार दर्पण या लेंस भी सूर्य के प्रकाश को आकाश में सूर्य की दूरी और आधे डिग्री के कोण के कारण किसी संकरी जगह पर केंद्रित नहीं कर सकता। क्या यह परावर्तित सूर्य का प्रकाश चमकीला होगा या मद्धिखउ्म? 54 मीटर लंबे उपग्रह के लिए, यह दोपहर के सूर्य से 15,000 गुना कम चमकीला होगा, लेकिन फिर भी यह पूर्णिमा के चांद से कहीं अधिक चमकीला होगा।

पिछले साल, रिफ्लेक्ट ऑर्बिटल के संस्थापक बेन नोवाक ने एक वीडियो पोस्ट किया था जिसमें अंतरिक्ष में जाने से पहले बनाई जाने वाली आखिरी चीज के साथ एक परीक्षण का सारांश दिया गया था। यह एक गर्म हवा के गुब्बारे पर रखा गया एक परावर्तक था। रिफ्लेक्ट ऑर्बिटल की योजना ''मौजूदा सौर फार्मों पर सही समूह में स्थित साधारण उपग्रहों की चमक'' है।

मीराबाई की भक्ति एक तरह की सूफी-भक्तिः गायक मुख्तियार अली

नई दिल्ली/भाषा। कबीर, मीराबाई और बुल्ले शाह की कृतियों को अपने अंदाज में पेश करने के लिए मशहूर राजस्थानी गायक मुख्तियार अली ने कहा कि मीराबाई की भक्ति एक तरह की 'सूफी-भक्ति' है।

अली ने शनिवार को किरण नादर म्यूजियम ऑफ आर्ट की ओर से आयोजित संगीत समारोह में गायक प्रहलाद टिपान्या के साथ प्रस्तुति दी। उन्होंने कहा कि एक सूफी गायक के रूप में देखे जाने के बावजूद वह खुद को एक सूफी-भक्ति गायक मानते हैं।

'पीटीआई-भाषा' के साथ साक्षात्कार में अली ने कहा, जब मैं मंच पर खुद को पेश करता हूं, तो मैं यह नहीं कहता कि मैं एक सूफी गायक हूं, बल्कि मैं कहता हूं कि मैं एक सूफी-भक्ति गायक हूं। क्योंकि दोनों ही संप्रदाय लोगों को एकजुट करने में विश्वास करते हैं, यही सूफी और भक्ति परंपराओं के सभी कवियों का अंतर्निहित दर्शन है। राजस्थान के बीकानेर से आने वाले अली उन कलाकारों में शामिल हैं, जो केएनएमए महोत्सव के दूसरे सीजन में यहां सुंदर नर्सरी में विविध प्रस्तुतियां देते नजर आएंगे। प्रसिद्ध गायक और सांस्कृतिक विचारक टीएम कृष्णा की मेजबानी वाले इस संगीत महोत्सव का विषय विविधता की आवाज रखा गया है। आयोजन का मकसद एकजुटता, सहानुभूति और साझा मानवीय अनुभवों पर बातचीत को बढ़ावा देना है।

अमिताभ बच्चन का 83वां जन्मदिनः प्रशंसकों ने पोस्टर, आदमकद कटआउट लेकर 'जलसा' के बाहर जश्न मनाया

मुंबई/भाषा। दिग्गज अभिनेता अमिताभ बच्चन के 83वें जन्मदिन के मौके पर सैकड़ों की तादाद में प्रशंसक शनिवार को उनके आवास 'जलसा' के बाहर इकट्ठा हुए और इस दौरान जुहू की गलियां पोस्टरों व तख्तियां लिए प्रशंसकों के हुजूम से पट गईं।

दशकों से अमिताभ बच्चन के जन्मदिन पर देशभर से प्रशंसक 'जलसा' के बाहर एकजुट होते हैं, जो हिंदी सिनेमा के दिग्गज अभिनेता के प्रति प्यार को दर्शाता है।

कई लोगों के लिए अमिताभ बच्चन के जन्मदिन पर उनके घर के पास आना एक वार्षिक रस्म बन गया है और वे अपने पंसदीदा अभिनेता की एक झलक पाने की उम्मीद में घंटों घर के बाहर खड़े रहते हैं। 'जलसा' के बाहर कुछ लोग अपने सबसे पसंदीदा अभिनेता के मशहूर 'ऑन-स्क्रीन' किरदारों की वेशभूषा में आए, तो कुछ ने उनके चित्र और मशहूर संवादों वाले आदमकद कटआउट व बैनर लिए हुए थे।

'आपको 83वें जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं' लिखी शर्ट पहने एक प्रशंसक ने अमिताभ बच्चन को 'लिविंग लेजेंड' करार दिया।

प्रशंसक ने कहा, हर साल, हम अमिताभ बच्चन के परिवार के सदस्य 11 अक्टूबर को उनकी एक झलक पाने के लिए यहां आते हैं। सर, हर रविवार को हम पर बहुत प्यार बरसाते हैं। जहां तक टी-शर्ट की बात है, तो हम हर साल इसे उनकी उम्र के हिसाब से प्रिंट करते हैं। और सर हमेशा इसकी सराहना करते हैं।

प्रशंसक ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, मैं शायद 2011 से अपने समूह के बाकी सदस्यों के साथ यहां आ रहा हूं। हर रविवार चाहे ठंड हो, बारिश हो या कुछ और, हम हमेशा यहां आते हैं। और सर भी बहुत स्नेह के साथ अपने परिवार से मिलने की पूरी कोशिश करते हैं। वर्ष 2003 से आ रहे एक अन्य प्रशंसक के लिए 'जलसा' का सफर लगभग आध्यात्मिक हो गया है। उन्होंने कहा, उन्हें (अमिताभ बच्चन को) देखकर हम धन्य महसूस करते हैं। मैं उनसे कई बार मिल चुका हूं- शुरुआत में, हमें यकीन ही नहीं होता था कि हम बच्चन साहब के बगल में खड़े हैं।

अमिताभ के प्रशंसक ने याद करते हुए कहा कि 'शराबी' पहली फिल्म थी, जिसने उन्हें अभिनेता का आजीवन प्रशंसक बना दिया।

प्रशंसकों के लिए, यह प्रशंसा श्रद्धा की सीमा तक पहुंच जाती है। एक अन्य प्रशंसक ने कहा, मैं चार-पांच साल की उम्र से ही अमिताभ बच्चन सर का कट्टर प्रशंसक रहा हूं। कोई भी उनकी बराबरी नहीं कर सकता, और न ही कभी कर पाएगा।

इस प्रशंसक ने अपनी पसंदीदा फिल्मों की एक सूची बताई, जिनमें 'दीवार', 'त्रिशूल', 'जंजीर', 'मुकद्दर का सिकंदर', 'शराबी', 'कभी कभी', और 'सिलसिला' शामिल हैं। उन्होंने कहा, मैं उनकी (अमिताभ बच्चन की) फिल्में देखने के लिए कक्षाएं छोड़ देता था। उस समय एक पागलपन था, जो आज भी है। सर को भारत रत्न मिलना चाहिए। यह बहुत दुखद है कि उन्हें अभी तक यह सम्मान नहीं मिला। मैं सरकार से अनुरोध करता हूं कि वह हमारे पसंदीदा अभिनेता को शीघ्र सम्मानित करे।

4 करोड़ मेरी सेलिब्रिटी फीस थी', 60 करोड़ की धोखाधड़ी मामले में शिल्पा शेट्टी की सफाई

मुंबई/एजेन्सी

मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने बॉलीवुड अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी और उनके पति राज कुंद्रा के खिलाफ दर्ज 60 करोड़ रुपए की कथित धोखाधड़ी के मामले में जांच तेज कर दी है। इसी कड़ी में पिछले सप्ताह शिल्पा शेट्टी का बयान दर्ज किया गया। जांच एजेंसी के अनुसार, शिल्पा शेट्टी ने अपने बयान में कहा कि उन्होंने बेस्ट डील टीवी से 4 करोड़ रुपए लिए, लेकिन यह रकम किसी निवेश या कारोबारी सौदे की नहीं थी, बल्कि उनकी सेलिब्रिटी फीस थी। शिल्पा शेट्टी ने जांचकर्ताओं से कहा कि मैं बेस्ट डील टीवी की डायरेक्टर जरूर थी, लेकिन जिन 4 करोड़ रुपए की बात हो रही है, वो मैंने कंपनी के प्रचार और विज्ञापन के लिए बतौर सेलिब्रिटी लिए थे। मैंने उस प्लेटफॉर्म पर एक विज्ञापन अभियान में हिस्सा लिया था, जिसके एवज में मुझे भुगतान किया गया। मुंबई पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि शिल्पा शेट्टी ने कंपनी से जनवरी 2016 में अपने डायरेक्टर पद से इस्तीफा दे दिया था। हालांकि, जिस कंपनी में वे डायरेक्टर थीं, उसी से पैसे लेने का

मामला अब जांच के दायरे में है। यह सही है या गलत, यह अभी 'सब्जेक्ट टू इंटरप्रिटेशन' है।

अधिकारी ने आगे कहा कि जांच के दौरान कंपनी से जुड़े दस्तावेजों की पड़ताल में एक और अहम जानकारी सामने आई है। शुरुआती चरण में इस कंपनी में बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार भी इक्विटी होल्डर रह चुके हैं। हालांकि, अधिकारी ने यह भी स्पष्ट किया कि इस मामले में अक्षय कुमार का कोई प्रत्यक्ष संबंध नहीं पाया गया है। अक्षय कुमार ने कभी भी कंपनी की किसी बोर्ड मीटिंग में हिस्सा नहीं लिया और न ही वे कंपनी के रोजमर्रा के कार्यों से जुड़े थे।

बता दें कि शिल्पा शेट्टी और उनके पति राज कुंद्रा पर व्यवसायी दीपक कोठारी ने धोखाधड़ी का मामला दर्ज कराया था। कोठारी का दावा है कि दंपति ने मिलकर उनका पैसा व्यवसाय में विस्तार करने के लिए कर्ज के तौर पर लिया था, लेकिन टैक्स को लेकर दोनों ने इसे निवेश के तौर पर दिखाने के लिए कहा। कोठारी ने शिकायत में यह भी कहा कि शिल्पा ने उनसे वादा किया था कि वह ब्याज की रकम भी टाइम पर लौटाएंगी, लेकिन पैसे वापस करने के समय शिल्पा ने कंपनी के डायरेक्टर पद से इस्तीफा दे दिया। एक्ट्रेस ने व्यवसाय में विस्तार के नाम पर पैसे लिए, लेकिन अपने निजी चीजों में खर्च कर दिए।

अपने ही घर में सुरक्षित महसूस नहीं कर रहीं संगीता बिजलानी

पुणे/एजेन्सी

65 साल की हसीना और कभी सलमान खान संग रिश्ते को लेकर फेमस होने वाली अदाकारा संगीता बिजलानी भले ही पर्दे से दूर हैं, लेकिन अपनी ग्लैमरस अदाओं से सुर्खियों बटोरती रहती हैं। संगीता बिजलानी को भी खान परिवार के हर फंक्शन में देखा जाता है, लेकिन अब एक्ट्रेस के अपने फार्महाउस पर हुई चोरी पर खुलकर बात है। उन्होंने बताया कि वो बहुत अनसेफ महसूस कर रही हैं। अभिनेत्री संगीता बिजलानी को शनिवार को पुणे में एक पुरस्कार समारोह में देखा गया, जहां उन्होंने आईएएनएस से महिला सुरक्षा, बढ़ती चोरी की वारदात और क्या सेफ्टी फीचर्स होने चाहिए जैसे मुद्दों को लेकर अपनी राय रखी। संगीता बिजलानी ने उनके फार्महाउस पर हुई चोरी पर बात करते हुए कहा, मैंने पुणे के एसपी संदीप सिंह गिल से मुलाकात की है। मैं उनसे मिलने ख़ास तौर पर पुणे आई थी ताकि उनसे मिलकर जल्दी से जांच का अनुरोध कर सकूं, क्योंकि मेरे घर पर चोरी हुई है। एक महिला होने के नाते मैं अपने ही घर में अनसेफ महसूस कर रही हूं। वहां मैं 20 साल से रह रही हूं, वो मेरा घर है। ऐसा पहली बार हुआ है जब मैं असुरक्षित महसूस कर रही हूं। एक्ट्रेस ने आगे कहा, ये सब सिर्फ मेरे नहीं बल्कि पावना के सभी लोगों के लिए है। वहां के सभी लोग अपने बच्चों और माता-पिता के साथ रहते हैं, ऐसे में उस जगह का सुरक्षित होना बहुत जरूरी है। सेफ्टी को लेकर संगीता बिजलानी ने कहा कि अधिकारियों को वहां सीसीटीवी कैमरे लगाने चाहिए, क्योंकि वहां का कुछ एरिया काफी डार्क है। वहां सभी लोग छुट्टियों के समय जाते हैं, पुलिस को रोजाना वहां पेट्रोलिंग करनी चाहिए और माहौल को खराब करने वाले लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई भी करनी चाहिए। इन्हीं बातों को लेकर मैं आज एसपी संदीप सिंह गिल से मिलने के लिए आई हूं। उन्होंने बताया कि फार्महाउस के आसपास के एरिया में फायर ब्रिगेड का ऑफिस भी नहीं है। फार्महाउस तक पहुंचने के लिए फायर ब्रिगेड को 3 से 4 घंटे लगे थे। बता दें कि जुलाई में एक्ट्रेस के पावना स्थिति फॉर्म हाउस पर चोरी हुई थी। चोरों ने फॉर्महाउस के मेन गेट और खिड़की को तोड़ दिया था और घर के अंदर से रेफ्रिजरेटर, टीवी सेट, बेड, और सीसीटीवी कैमरे के साथ तोड़फोड़ और कई कीमती सामान भी गायब कर दिए थे। संगीता बिजलानी छुट्टियां बिताने के लिए ही फार्महाउस जाती है, लेकिन पिता की खराब तबीयत के चलते वहां उनका जाना कम हो गया है और वो फार्महाउस का ध्यान नहीं रख पा रही हैं। एक्ट्रेस ने मामले की शिकायत पुणे के पुलिस स्टेशन में की थी, लेकिन मामले पर अभी तक कोई अपडेट नहीं आया है।

पूजा भट्ट ने सुनाया 'दुश्मन' का किस्सा, कैसे संजय दत्त ने दक्षिण अफ्रीका में बारटेंडर को डराया था

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री-फिल्म निर्माता पूजा भट्ट अपने पॉडकास्ट द पूजा भट्ट शो में फिल्मों से जुड़ी पुरानी यादें शेयर कर रही हैं। इसकी कुछ क्लिप्स वो अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर भी शेयर करती हैं। पूजा भट्ट ने पुरानी यादों में खोकर 1998 में दक्षिण अफ्रीका में फिल्म 'दुश्मन' की शूटिंग के पलों को याद किया। उन्होंने बताया कि कैसे संजय दत्त के डर के चलते एक बारटेंडर उनसे छिपता दिखाई दिया था। पूजा भट्ट ने अपने शो में फिल्म की निर्देशक तनुजा चंद्रा से बात की। इस दौरान उन्होंने 'दुश्मन' की शूटिंग के दिनों को याद करते हुए कहा, जब हम दक्षिण अफ्रीका गए थे और केप टाउन के विक्टोरिया होटल में ठहरे थे, वह समय बहुत ही मजेदार था। मुझे लगता है कि संजू (संजय दत्त) मेरे पिता के साथ कारतूस की शूटिंग से पहले भी वहां गए थे और वह पहले से ही वहां ठहरे हुए थे। उन्होंने आगे कहा, और जब हम लॉबी में गए तो बार बारटेंडर ने हमें होटल में घुसते देख लिया और डर के मारे छिपने लगा। तो मैं हैरान रह गई और मैंने पूछा कि तुम हमसे यहां ऐसे क्यों छिप रहे हो?

तब बारटेंडर ने डरते हुए कहा, वो जो गेस्ट हैं ना, उनकी वजह से हम किसी मुसीबत में न फंस जाएं इसलिए छुप रहे हैं। पिछली बार हमें उनके लिए शराब के एक्स्ट्रा बॉक्स मंगवाने पड़े थे क्योंकि शराब खत्म हो गई थी।

'दे दे प्यार दे-2' की रिलीज डेट हुई फाइनल

मुंबई/एजेन्सी

फिल्म 'दे दे प्यार दे' ने साल 2019 में लोगों के दिलों में खास जगह बनाई थी। यह एक ऐसी कहानी थी जिसमें उम्र के फासले और प्यार की ताकत को खूबसूरती से दिखाया गया था। अजय देवगन और रकुल प्रीत सिंह की जोड़ी को दर्शकों ने काफी पसंद किया। वहीं तब्बू ने भी अपनी भूमिका से फिल्म में चार चांद लगाए। अब, इस लोकप्रिय फिल्म का दूसरा पार्ट, यानी 'दे दे प्यार दे 2', जल्दी ही बड़े पर्दे पर दस्तक देने वाला है। इस फिल्म की रिलीज डेट का खुलासा खुद रकुल प्रीत सिंह ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए किया। रकुल प्रीत सिंह ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक खास मोशन पोस्ट शेयर किया, जिसमें उन्होंने लिखा, ''प्यार का सीक्वल है क्रूशियल। क्या आशीष को मिलेगा आयशा के पेरेंट्स का अप्रूवल? 'दे दे प्यार दे 2' सिनेमाघरों में 14 नवंबर को रिलीज होगी।'' यह फिल्म 'दे दे प्यार दे' का सीक्वल है और इसमें दिखाया जाएगा कि आशीष, जो कि अजय देवगन के किरदार का नाम है, कैसे आयशा के माता-पिता को अपने रिश्ते के लिए मनाने की कोशिश करता है। फिल्म की रिलीज डेट सामने आने पर फैंस में फिल्म को लेकर उत्सुकता बढ़ गई है। लोग बेसब्री से फिल्म का इंतजार कर रहे हैं और जानने के लिए उत्साहित हैं कि इस बार फिल्म में कौन-कौन से नए चेहरे होंगे और कहानी में क्या नया ट्विस्ट देखने को मिलेगा।

बता दें कि 'दे दे प्यार दे 2' में तब्बू नजर नहीं आएंगी, जिन्होंने पहली फिल्म में अहम किरदार निभाया था। हालांकि, फिल्म में कई नए कलाकार जुड़ गए हैं। आर माधवन, गौतमी कपूर, मीजान जाफरी, जावेद जाफरी, और इशिता दत्ता जैसे कलाकार इस बार फिल्म का हिस्सा हैं। खासतौर पर आर माधवन की एंट्री फैंस के लिए खुशी की बात है क्योंकि वह आयशा के पिता का रोल निभाते नजर आएंगे।

फिल्म के निर्माता भूषण कुमार, लव रंजन और अंकुर गर्ग इस बार भी फिल्म को लेकर काफी उम्मीदें लगाए हुए हैं। उन्होंने बताया है कि 'दे दे प्यार दे 2' को ऐसा बनाया गया है जो न केवल पहली फिल्म का मज़ा दुगना कर देगा बल्कि एक नए और आधुनिक तरीके से प्यार, रिश्तों और परिवार की जटिलताओं को दिखाएगा।

RNI No. 58061/93. Regn No.: NP/KA/BGS/2050/2018-2020 Posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026.

गत दिनों शहर के स्थानकवासी जैन संघ की विशेष साधारण सभा स्थानीय जैन भवन में सम्पन्न हुई। अध्यक्ष सुभाषचन्द दरड़ा ने सभी उपस्थित सदस्यों का स्वागत किया।

साधनाओं से ही होता है आंतरिक शक्तियों का जागरण : आचार्य विमलसागरसूरी

गदग/दक्षिण भारत। राजस्थान जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ के तत्वावधान में चल रहे विमल वर्षावास में शनिवार को सम्यकज्ञान व मां सरस्वती की साधना पर विशेष प्रवचनमाला का शुभारंभ हुआ। इस मौके पर आचार्य विमलसागरसूरीजी ने बताया कि किसी भी साधना के लिए निर्धारित दिन, समय, स्थान, दिशा, वस्त्र, आलंबन, सामग्री, मन की भूमिका, तन की शुद्धि, समर्पण भाव और विधि-विधान की जानकारी अत्यंत आवश्यक है। सरलता और पवित्रता साधना की सिद्धि के प्राणतत्व हैं। माया, छल-कपट, क्रोध, अभिमान, ईर्ष्या या दुर्भावना पूर्वक की गई साधना निष्फल जाती है अथवा दुःखदायी बनती है। प्राचीन शास्त्रों के आधार पर जैन व वैदिक परंपरा में छोटी-बड़ी अनेक साधनाओं के उल्लेख मिलते हैं। ये साधनाएं हमारी सांस्कृतिक परंपरा की अमूल्य धरोहर हैं। इन्हीं से हमारे धर्म-आध्यत्म और जीवन के विकास का शाश्वत पथ प्रशस्त हुआ है। जैनाचार्य ने कहा कि समग्र मानवजाति को आंतरिक शक्तियों के जागरण के गूढ़ रहस्य साधनाओं से ही प्राप्त हुए हैं और ये साधनाएं शुद्ध रूप से भारतीय संस्कृति की देन हैं। पश्चिम भले ही भौतिक और तकनीकी विकास का कितना ही दम भरता हो, आध्यात्मिक साधनाओं के संदर्भ में तो भारत राष्ट्र का कोई सानी नहीं है। यहां के ऋषि-मुनियों, आचार्यों, संतों और साधकों ने साधनाओं के द्वारा अपने भीतर से वो प्राप्त किया जो बाहरी दुनिया में कभी कहीं से भी हासिल नहीं हो सकता। साधनाएं मनुष्य को शक्ति, बुद्धि, वचनसिद्धि, वाणी, विद्वत्ता, समयज्ञता, पराक्रम और परम का पथ दे सकती हैं। जैन संघ के कोषाध्यक्ष निर्मल पारेख ने बताया कि गणि पद्मविमलसागरजी के सान्निध्य में दोपहर को बाल संस्कार शिविर का आयोजन हुआ जिसमें छठी से बारहवीं कक्षा के दो सौ से अधिक प्रवेश पत्र धारक विद्यार्थियों ने भाग लिया।

जेबीएन स्वयम् वी-प्रेन्योर्स की बैठक आयोजित

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। जीतो साउथ लेडीज़ विंग के जेबीएन स्वयम वीप्रेन्योर्स की बैठक जीतो कार्यालय में आयोजित हुई। सभी सदस्यों ने 30 सेकंड की संक्षिप्त प्रस्तुति में अपने-अपने व्यवसाय का परिचय दिया। सचिव सलोनी जैन ने सभी का स्वागत किया। रेफ़रल हेड राजुल धोका ने व्यवसायिक अवसरों और नेटवर्किंग रणनीतियों पर विचार व्यक्त किए तथा रेफरल हेड निशा कोठारी ने कहा कि हर बैठक को केवल व्यवसाय तक सीमित न रखें, बल्कि इसे सीखने और प्रेरणा लेने का अवसर मानें। अनेक सदस्याओं ने अपने अपने विचार व्यक्त किए।

नेत्र शिविर
दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मैसूरु के बन्नूर कस्बा स्थित रोटरी स्कूल में कोयम्बटूर के अरविंद नेत्र चिकित्सालय के डॉ. साईं तेजा, डॉ. चंद्रावदन, शिविर संयोजक विजयगंथ के सहयोग से गवरीदेवी कानसिंह राजपुरोहित परिवार की ओर से निःशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया जिसमें मैसूरु, बेंगलूरु और मंड्या जिलों के आसपास के गाँवों के 125 लोगों ने नेत्र जांच करवाई। चिकित्सकीय परामर्श के बाद 51 लोगों को चिन्हित कर आंखों के ऑपरेशन हेतु अरविंद नेत्र चिकित्सालय लेकर जाएंगे। इस अवसर पर समाजसेवी महेंद्रसिंह राजपुरोहित आदि उपस्थित थे।

श्रीपाल बने कांठा प्रांत जैन संघ के अध्यक्ष, हंसराज बने महामंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। राजस्थान के पाली मारवाड़ जिले की 52 गांव की पट्टी के बेंगलूरु में निवासित 600 परिवारों को एक माला में पिरोते हुए कांठा प्रांत जैन संघ बेंगलूरु का गठन किया गया। गठन प्रक्रिया के अंतर्गत बेंगलूरु में निवासित कांठा प्रांतीय बंधुओं के 13 जोन के प्रतिनिधियों के चुनाव करवाए गए। श्रीरामपुरम स्थानक में सीए शांतिलाल सुराणा की अध्यक्षता एवं पारसमल बोहरा की सह अध्यक्षता में आयोजित जोन प्रतिनिधियों की बैठक में पदाधिकारियों की नियुक्ति की गई जिसमें श्रीपाल खिंवेसरा को सर्वसम्मति से संघ का अध्यक्ष चुना गया। नए अध्यक्ष श्रीपाल खिंवेसरा ने संघ के कार्यों का एजेंडा रखते हुए स्वजन उत्थान, बिज़नेस नेटवर्किंग, तात्कालिक सेवा, महिला सशक्तिकरण, शैक्षणिक सहयोग, आवास अनुदान, मेट्रिमोनी जैसी बुनियादी जरूरतों को प्राथमिकता दी। सभा के अध्यक्ष शांतिलाल सुराणा एवं सहअध्यक्ष पारसमल बोहरा ने कांठा प्रांत के रीति रिवाजों, व्यवहार एवं पुरानी परंपराओं को याद किया तथा संघ उत्थान में सभी के सहयोग की कामना की। संघ सलाहकार के रूप में शांतिलाल सुराणा, शांतिलाल खिंवेसरा, प्यारेलाल टपरावत, पारसमल बोहरा, अमरचंद गुंदेचा, भंवरलाल बोहरा व गणेशमल गुगलिया को शामिल किया है। श्रीपाल ने नई कार्यकारिणी की घोषणा करते हुए राजेन्द्र कोटरिया, अशोक गुगलिया, उत्तमचंद कोठारी, मिश्रीमल कटारिया व रमेश बोहरा को उपाध्यक्ष, हंसराज मुणोत को महामंत्री, सिद्धार्थ बोहरा को प्रचार-प्रसार मंत्री, सुरेश भंडारी, किशोर बोहरा, मनसुख गांधी, महेन्द्र कटारिया, उत्तमचंद भलगट व प्रकाश चणोदिया को सहमंत्री, प्रकाश गुगलिया को सोशल मीडिया, ताराचंद गुगलिया को कोषाध्यक्ष, महेन्द्र मुथा व प्रकाश भलगट को सहकोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी। साथ ही सोहनलाल गुगलिया, प्रकाश गांधी व प्रकाश टपरावत को कार्यकारिणी सदस्य के रूप में सम्मिलित किया। सभा में जोन प्रतिनिधियों ने संघ उत्थान हेतु अपने सुझाव रखे। सभा का संचालन महामंत्री हंसराज मुनोत ने किया तथा प्रचार-प्रसार मंत्री सिद्धार्थ बोहरा ने धन्यवाद दिया।

‘गुण का गान करने से गुण के प्रति आकर्षण बढ़ता है’

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्वावधान में जैन भवन में आयोजित प्रवचन में साध्वी इंदुप्रभाजी ने जयमल चरित्र का विवेचन करते हुए कहा कि जब सूर्य निकलता है तब अंधेरा छिप जाता है। साध्वी इंदुप्रभा जी ने कहा कि आज संप्रदायवाद इतना जहरीला हो गया है कि अन्य संप्रदाय के साधु संतों को स्थान और अन्न पानी का भी संकट हो जाता है। कई जगह अपमान परिषह भी आता है। लोग उपकारों को भूल जाते हैं और मात्र स्वयं के श्रद्धेय के अलावा दूसरों को हाथ तक नहीं जोड़ते हैं। प्रवचन के प्रारंभ में साध्वी वृद्धिप्रभा जी ने कहा कि गुण गाने से गुण के प्रति आकर्षण बढ़ता है और दोष दृष्टि वालों में गलतियां बढ़ती जाती हैं। श्रेष्ठ और कुलीन व्यक्ति पर-नारी को मात्र मां बहन बेटी की नजर से देखता है।

पर-नारी धन, पद और मन को हर लेती है। पर-नारी का विचार आना भी पाप है। हमें भी अपनी बेटियों को लज्जा और शील के संस्कार देने चाहिए। प्रतिक्रमण प्रतियोगिता में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वालों को पुरस्कृत किया गया। संघ के मंत्री अभय कुमार बांठिया ने सभा का संचालन किया। अध्यक्ष धनपत राज बोहरा ने अतिथियों का स्वागत किया।

आत्मजागरण की ज्योति है प्रभु की वाणी : साध्वी धैर्याश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, विल्सनगार्डन में विराजित साध्वी आगमश्री ने अपने प्रवचन में कहा कि संसार में अज्ञान का अंधकार तभी मिटता है, जब आत्मा प्रभु की वाणी के प्रकाश से आलोकित होती है। भगवान महावीर ने अपने अंतिम उपदेश काल में जो अमृत-वाणी प्रदान की, वह समस्त जीवों के कल्याण का महामंत्र है। मोक्ष से पूर्व के अपने अंतिम 16 प्रहरों में उन्होंने ऐसा दिव्य संदेश दिया, जो आज भी मानवता के लिए मार्गदर्शक है। प्रभु महावीर की वाणी में आत्मशुद्धि, संयम, और समता का सजीव दर्शन है। उन्होंने कहा कि जब व्यक्ति अपने भीतर झांकना शुरू करता है, तभी आत्मबोध का उदय होता है। क्रोध, मान, माया और लोभ यही आत्मा के सबसे बड़े शत्रु हैं। जब ये समाप्त होते हैं, तब आत्मा अपनी दिव्यता को पहचानती है। सच्ची विजय बाहरी युद्धों में नहीं, आत्म-जीत में है। जो स्वयं को जीत लेता है, वही जगत विजेता कहलाता है।साध्वी धैर्याश्री ने कहा कि प्रभु की वाणी ही वह अमृत ज्योति है जो अज्ञान के अंधकार को दूर कर, आत्मा को उसके शुद्ध स्वरूप का साक्षात्कार कराती है। जब हम उत्तराध्ययन सूत्र का मनन करते हैं, तब ऐसा अनुभव होता है मानो प्रभु स्वयं हमारे हृदय में उपदेश दे रहे हों। यह सूत्र जीवन को रूपांतरित करने वाली साधना है। जो इसे जीता है, वह आत्मकल्याण के द्वार को खोल देता है। चेयरमैन मीठालाल मकाणा ने स्वागत किया।

अहोई अष्टमी व्रत मातृत्व के पवित्र प्रेम का प्रतीक : डॉ. वरुणमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गुजराती जैन संघ, गांधीनगर में चातुर्मास हेतु विराजित भारत गौरव डॉ. वरुण मुनिजी ने शनिवार को अहोई अष्टमी व्रत के अवसर पर अपने प्रवचन में मातृत्व के सच्चे स्वरूप और व्रत की आध्यात्मिक महत्ता पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला। मुनिश्री ने कहा कि अहोई अष्टमी केवल एक व्रत नहीं, बल्कि यह मातृत्व के प्रेम, त्याग और स्नेह का जीवंत प्रतीक है। मां अपने बच्चों की दीर्घायु, आरोग्यता और मंगल जीवन के लिए उपवास रखती है। इस दिन की गई प्रार्थना और तपस्या से संतान का जीवन सद्गुणों, संस्कारों और समृद्धि से परिपूर्ण होता है। उन्होंने कहा कि व्रत का उद्देश्य केवल शरीर को संयमित करना नहीं, बल्कि मन को भी सात्त्विक बनाना है। जब माता अपने संकल्प में श्रद्धा और शुद्ध भावना जोड़ती है, तब उसका आशीर्वाद संतान के लिए दिव्य कवच बन जाता है। यही मातृत्व का सच्चा अध्यात्म है। मुनिश्री के प्रेरक प्रवचनों से समूचा वातावरण मातृत्व की पवित्र भावनाओं और आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर हो उठा। उपस्थित महिलाओं ने व्रत के सच्चे अर्थ को समझते हुए निष्ठा, प्रेम और आत्मिक समर्पण से इसे पालन करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के दौरान रूपेश मुनि जी ने भक्ति भाव से ओतप्रोत भजन प्रस्तुत किए। राष्ट्रसंत पंकज मुनिजी ने सभी को मंगल पाठ प्रदान किया।

कैब चालक को अपशब्द कहने पर मलयालम अभिनेता जयकृष्णन, दो अन्य के खिलाफ प्राथमिकी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंगलूरु। मलयालम अभिनेता जयकृष्णन और केरल के उनके दो सहयोगियों के खिलाफ एक कैब चालक को कथित तौर पर सांप्रदायिक अपशब्द कहने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि फिलहाल कोई गिरफ्तारी नहीं की गयी है। पुलिस ने बताया कि जयकृष्णन (50), संतोष अब्राहम और विमल ने नौ अक्टूबर की रात बेजई न्यू रोड से एक टैक्सी बुक की थी। उन्होंने बताया कि शुक्रवार को उरवा पुलिस थाने में दर्ज शिकायत के अनुसार कैब चालक अहमद शफीक (32) को हिंदी और मलयालम में गालियां दी गईं। पुलिस के मुताबिक, तीनों ने एक मोबाइल ऐप के जरिए कैब बुक की और अपना पिकअप पता मेंगलुरु के बेजई न्यू रोड बताया। जब कैब चालक ने ऐप के जरिए उनसे लोकेशन की पुष्टि करने के लिए संपर्क किया, तो उन्होंने कथित तौर पर उसे सांप्रदायिक गालियां दीं।

पुलिस ने बताया कि भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं 352 (शांति भंग करने के इरादे से जानबूझकर अपमान करना) और 353(2) (सार्वजनिक शरारत के लिए बयान देना) के तहत मामला दर्ज किया गया है। आगे की जांच जारी है। पुलिस के एक सूत्र ने बताया, डिजिटल माध्यमों से उनकी पहचान हो गई है, बयान दर्ज किए जा रहे हैं।

‘स्थानकवासी समाज के सामूहिक भोज में अब केवल 31 खाद्य पदार्थों की सीमा तय’

- समाजहित में मैसूरु के स्थानकवासी जैन संघ की सराहनीय पहल
- नियम नहीं मानने पर सामूहिक भोज में भोजन न करने का संघ का अनुरोध

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। गत दिनों शहर के स्थानकवासी जैन संघ की विशेष साधारण सभा स्थानीय जैन भवन में सम्पन्न हुई। अध्यक्ष सुभाषचन्द दरड़ा ने सभी उपस्थित सदस्यों का स्वागत किया। मंत्री बुद्धमल बाघमार ने कार्यकारिणी बैठक का संचालन करते हुए बताया कि इस बैठक में संघ द्वारा यह निर्णय लिया गया कि सभी सामूहिक प्रीतिभोज में खाद्य पदार्थ की संख्या 31 से अधिक नहीं होनी चाहिए और प्रीतिभोज में जमीकंद का उपयोग भी नहीं करने का प्रस्ताव रखा गया। अनेक सदस्यों ने अपने-अपने विचार रखे। सभा में मंत्री ने खाद्य पदार्थ की सीमा संख्या 31 में शामिल पदार्थों की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने खाद्य पदार्थोंर्थ के बारे में उदाहरण देते हुए कहा कि यदि भोज में वड़ा-पाव या दूध-जलेबी रहेगी तो उन्हें अलग अलग अर्थात वड़ा अलग और पाव अलग, दूध व जलेबी अलग अलग गिने जाएंगे। मंत्री ने बताया कि घृतपान, बारात स्वागत, मायरा स्वागत में कोई भी 1 आइटम ही रखा जा सकता है। घृतपान, मायरा, संगीत संध्या, हल्दी रस्म, मेहन्दी रस्म, कार्निवल, पूल पार्टी, सांभेला प्रस्थान, विदाई समारोह इत्यादि सभी कार्यक्रमों को सामूहिक भोज माना जाएगा। संघ के प्रतिनिधियों ने बताया कि दशोटन, सादपुराई, जन्मदिन आयोजन, शादी सालगिरह, तमिल सापड़, बत्तीसी, मायरा, गृह प्रवेश, प्रतिष्ठान शुभारंभ इत्यादि किसी भी सामूहिक भोज में 31 खाद्य पदार्थों से अधिक नहीं बनाने है। यह नियम 1 नवम्बर से लागू होगा तथा मैसूरु नगर के 25 किलोमीटर तक के दायरे में यह नियम लागू होगा। बैठक में विवाह संबधी प्री-वेडिंग फोटो शूट न करने का भी प्रस्ताव आया।

यदि प्री-वेडिंग शूट किया जाता है तो उसके सामूहिक प्रदर्शन पर रोक है। पदाधिकारियों ने निर्णय लिया कि मैसूर के स्थानकवासी जैन संघ के सभी सदस्यों को यह नियम पालन करना अनिवार्य है। अगर कोई भी इस नियम का उल्लंघन करता है तो संघ के सदस्य समाज के अन्य सदस्यों से अनुरोध करेंगे कि ऐसे सामूहिक भोज में भोजन न करें तथा दूसरे सदस्यों को भी भोजन न करने के लिए प्रेरित करें।

उत्सव
दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के अणम्मा देवी युवक संघ कमला नगर द्वारा आयोजित अणम्मा देवी उत्सव कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि महेंद्र मुणोत ने देवी मां के दर्शन कर आशीर्वाद लिया एवं बच्चों में शिक्षण सामग्री वितरित करते हुए कहा कि माता-पिता की आज्ञा का पालन करें एवं अच्छाई के रास्ते पर चलें। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।

मर्यादित साधक की साधना ही फलीभूत होती है : उपप्रवर्तक नरेशमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के मागडी रोड़ स्थित गुरु ज्येष्ठ पुष्कर दरबार में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए उपप्रवर्तक नरेशमुनिजी ने भगवान महावीर की अंतिम देशना उत्तराध्ययन सूत्र के 14 दिवसीय सूत्र स्वाध्याय साधना पर सारगर्भित विवेचना प्रस्तुत करते हुए कहा कि साधक हमेशा मर्यादित जीवन जीये। उन्होंने कहा कि जो मर्यादा में रहता है उनकी साधना ही फलीभूत होती है।

जो साधक प्राप्त मनुष्य भव रूपी मूल पूंजी को सुरक्षित रखते हुए उसके साथ धर्म साधना, जप, तप करते हुए पुण्य संचय कर उसमें अभिवृद्धि करता है वह साधक आत्मा आगे भी मनुष्य भव और देव आदि शुभ गति को प्राप्त करता है।

मुनिश्री ने सूत्र में वर्णित कपिल ब्राह्मण के प्रेरक दृष्टांत पर सारगर्भित प्रकाश डालते हुए कहा कि दो मासा सोना लेने के लिए राजा के पास जाता है और आगे मन में लोभ के वशीभूत राज्य कामना करते हुए अचानक उसकी चिन्तन धारा बदल जाती है और उसे जाति स्मरण ज्ञान हो जाता है और संयम अंगीकार करके अपनी आत्मा का कल्याण कर लेते हैं। जहां लाभ है वहां लोभ है। लाभ से लोभ में वृद्धि होती है। लोभ को संतोष गुण से जीतना चाहिए। उन्होंने तृष्णा को दुख का मूल बताते हुए कहा कि सोने चांदी के असंख्यात पर्वत मिल जाएं तो भी लोभी, तृष्णावान व्यक्ति की तृष्णा, इच्छा की पूर्ति संभव नहीं है, क्योंकि भगवान महावीर ने इच्छा को आकाश के समान अनन्त बताया है।

उन्होंने आगे नमिराजऋषि के प्रेरक रोचक कथानक पर भी मार्मिक चित्रण प्रस्तुत करते हुए धर्म सभा को आत्म वैराग्य चिंतन धारा में सराबोर करते हुए भाव विभोर कर दिया।जहां एक है वहां शांति है और जहां अनेक है वहां अशांति है।

प्रारंभ में युवा मनीषी शालिभद्र मुनिजी ने वीर स्तुति के साथ भगवान महावीर की अंतिम देशना श्री उत्तराधययन सूत्र की मूल गाथाओं का धर्म सभा में उपस्थित श्रद्धालुओं को सामूहिक रूप से स्वाध्याय पारायण कराया।

किसी चीज की अति नहीं करनी चाहिए : संतश्री ज्ञानमुनि

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी के सान्निध्य में प्रभु महावीर के निर्वाण उत्सव पर प्रभु की शिक्षा सूत्रों का श्रवण चल रहा है। मुनिश्री ने कहा कि अगर आनंद मंगल चाहिए तो महावीर भगवान को मानना चाहिए। जीवन में जो भी चाहिए वह प्रभु की वाणी को सुन कर प्राप्त किया जा सकता है। प्रभु अनन्त ज्ञान गुणधारी हैं। प्रभु के दर्शन कर मानव सुख प्राप्त कर सकता है। प्रभु की मीठी वाणी अनंत सुख दे सकती है। जो आनंद उनकी भक्ति में है वह कहीं भी नहीं है।प्रभु की वाणी भव्य प्राणियों के लिए सहारा है। यह संतों की पूंजी है। संसारी लोगों की पूंजी केवल पैसा है लेकिन संतों की पूंजी भगवान की वाणी होती है। इस वाणी से मानव जीवन को बदला जा सकता है। यह वाणी सुनने का मौका मिला है तो ऐसे ही गंवाना नहीं चाहिए। मनुष्य को शांति से जो मिले वह खा कर पेट भर लेना चाहिए। स्वाद लेकर इंद्रियों का भोग करने वाला बहुत पछताता है। अपने कर्मों की वजह से मानव पाया हुआ भी खो देता है, इसलिए मानव को कर्मों के उदय से डर कर अच्छा कार्य करना चाहिए। आज के समय में लोग राम नाम जपते हुए पराया धन कमाने के चक्कर में लगे हुए हैं। ऐसा करके मानव अपने कर्मों को भारी कर रहा है। पराया धन को अपना नहीं समझना चाहिए। सत्य के मार्ग से आई हुई लक्ष्मी कहीं नहीं जाती हैं। संसारी जीव थोड़े से लाभ के लिए बहुत बड़ा लाभ छोड़ रहे हैं। सामान्य चीज में अटक कर बड़ा लाभ नहीं खोना चाहिए। गुरुदेव ने कहा कि किसी चीज की अति बहुत खराब होती है। दूध पीने से शरीर अच्छा रहता है। लेकिन वही दूध ज्यादा हो जाए तो वह फायदेमंद नहीं होता है। लालच बहुत बुरी बला होती है।लालच की पूर्ति कभी संभव नहीं होती है। लालच जीवन को बर्बाद कर देता है। मानव जीवन को सुंदर बनाने के लिए लालच और कषाय को खत्म करना चाहिए। ऐसा करने के बाद ही मानव भव मोक्ष मार्ग को प्राप्त कर सकता है। कार्याध्यक्ष कांतिलाल तातेड़ ने आभार व्यक्त किया। सभा का संचालन महामंत्री मनोहरलाल लुकड़ ने किया।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com